राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 139 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, शनिवार 19 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

अहमदाबाद प्लेन क्रैश : अशोक गहलोत बोले- सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज से जांच कराए केंद्र सरकार

जयपुर । पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अहमदाबाद प्लेन क्रैश की आधिकारिक जांच रिपोर्ट पर सवाल उठाकर केंद्र सरकार के लिए नई मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। उन्होंने इस भयावह हादसे की पूरी सच्चाई सामने लाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक न्यायिक आयोग गठित करने की मांग की है। गहलोत ने आरोप लगाया कि पायलटों को बलि का बकरा बनाना सबसे आसान है, क्योंकि वे अपना पक्ष रखने के लिए जीवित नहीं हैं। पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री रह चुके गहलोत ने कहा कि हादसे के एक महीने बाद भी मीडिया और सोशल मीडिया में इस पर लगातार चर्चा चल रही है और आधिकारिक रिपोर्ट ने आमजन के मन में और भी शंकाएं बढ़ा दी हैं।

उन्होंने कहा कि एक इतने अनुभवी और स्वस्थ पायलट जानबूझकर फ्यूल स्विच क्यों बंद करेगा, यह बात समझ से परे है। गहलोत ने कहा कि 260 लोगों की जान आखिर क्यों गई, यह जानने का हक हर देशवासी को है। उन्होंने भारत सरकार से आग्रह किया कि इस आयोग में भारतीय वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों और एविएशन सेक्टर के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए, ताकि हर पहलू की निष्पक्ष जांच हो सके और हवाई यात्रा पर आमजन का भरोसा फिर से कायम हो सके। उनका यह बयान सीधे तौर पर सरकार की आधिकारिक जांच रिपोर्ट की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है, जिससे यह मुद्दा अब एक राजनीतिक विवाद का रूप ले रहा है।

एनडीए सरकार में बिहार का तेजी से विकास, पिछली सरकार ने कुछ नहीं किया- ष्टरूनीतीश कुमार

मोतिहारी। बिहार के मोतिहारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के दौरान भव्य रोड शो के बाद विशाल कार्यक्रम आयोजित हुआ। पीएम मोदी के मंच पर पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया। उन्हें एक सुंदर पेंटिंग और तिरंगा भेंट किया गया। इस मौके पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, दोनों उपमुख्यमंत्री (सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा) और एनडीए के वरिष्ठ नेता व अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि पीएम मोदी का बिहार दौरा राज्य के लिए गर्व का क्षण है। पीएम मोदी के नेतृत्व में बिहार को नई ऊर्जा और विकास की दिशा मिल रही है।

सीएम नीतीश ने कहा, पहले की सरकारों में काम धीमा था, लेकिन 2005 से जदयू की सरकार बनने के बाद बिहार में हर क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। अब सड़क, बिजली और रोजगार जैसे सभी क्षेत्रों में काम हो रहा है। अब बिहार सरकार 125 यूनिट बिजली मुफ्त देगी। उन्होंने कहा, पहले बिजली की बहुत कमी थी, लेकिन अब हर घर में बिजली है। हमने तय किया है कि गरीबों को मुफ्त बिजली और घर दिए जाएंगे। इसकी मंजूरी आज ही कैबिनेट में दी जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने अगले पांच साल में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का वादा किया। बिहार के सीएम ने बताया कि सामाजिक सुरक्षा योजना को 400 रुपये से बढ़ाकर 1,100 रुपये कर दिया गया है, जिससे 1 करोड़ 11 लाख लोगों को फायदा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने सड़कों, पुलों और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं पर बड़े पैमाने पर काम किया है।

बघेल बोले- न झुकेगा न डरेगा

बर्थडे पर बढ़ी चैतन्य की मुश्किलें: ईडी ने पूर्व सीएम के बेटे को किया गिरफ्तार

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में आज सुबह ईडी की टीम पूर्व सीएम भूपेश बघेल के भिलाई स्थित निवास पहुंची और कार्रवाई शुरू की। कई घंटों की पूछताछ के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को ईडी की टीम हिरासत में लेकर रायपुर के लिए रवाना हो गई। इस दौरान समर्थकों और पुलिस के बीच जमकर झुमाझटकी हुई। वहीं मिली जानकारी के अनुसार चैतन्य बघेल का आज बर्थडे भी है। इसी दिन ईडी की छापेमारी से कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में गुस्सा है। बताया जा रहा है कि कार्यकर्ताओं ने चैतन्य का जन्मदिन मनाने की तैयारी कर ली थी, लेकिन, ईडी ने पहले ही कार्रवाई कर दी।

इससे पहले भूपेश बघेल ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि छह बजकर 20 मिनट पर ईडी के अधिकारी उनके घर पहुंचे। भूपेश बघेल ने कहा अडाणी का मामला जब-जब उठाया जाता है, तब-तब मोदी और शाह ईडी की कार्रवाई करते हैं। भूपेश बघेल ना टूटेगा ना झुकेगा, हम लड़ाई लड़ेंगे। पूर्व सीएम ने आरोप लगाया कि पूरे देश में विपक्ष के नेताओं पर इस तरह की कार्रवाई की जा रही है।

नए सबूत मिलने के बाद छापेमारी

ईडी ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल के आवास पर कथित शराब घोटाले से संबंधित चल रही धन शोधन जांच के

तहत छापेमारी की। मामले में नए सबूत मिलने के बाद ईडी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चैतन्य बघेल के भिलाई स्थित घर की तलाशी ली जहां चैतन्य अपने पिता के साथ रहते हैं।

बर्थडे पर चैतन्य की गिरफ्तारी, कार्यकर्ताओं में गुस्सा

जानकारी के अनुसार चैतन्य बघेल का आज बर्थडे भी है। इसी दिन ईडी की छापेमारी से कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में गुस्सा है। बताया जा रहा है कि कार्यकर्ताओं ने चैतन्य का जन्मदिन मनाने की तैयारी थी, लेकिन, ईडी ने पहले ही कार्रवाई कर दी। वहीं विधानसभा जाते वक्त भूपेश बघेल ने कहा कि पिछली बार मेरे जन्मदिन पर ईडी को भेजा गया था। इस बार मेरे बेटे के जन्मदिन पर मोदी और शाह ने ईडी को भेजा है। भूपेश बघेल न झुकेगा और न ही डरेगा। जन्मदिन का जैसा तोहफा मोदी और शाह जी देते हैं वैसा दुनिया के किसी लोकतंत्र में और कोई नहीं दे सकता।

मेरे जन्मदिन पर दोनों परम आदरणीय नेताओं ने मेरे सलाहकार और दो ओएसडी के घरों पर ईडी भेजी थी। और अब मेरे बेटे चैतन्य के जन्मदिन पर मेरे घर पर ईडी की टीम छापामारी कर रही है।

अब देश की जनता समझ गई है- भूपेश बघेल

भिलाई स्थित अपने आवास के बाहर संवाददाताओं से बात करते हुए पूर्व सीएम बघेल ने आरोप लगाया कि एक तरफ बिहार में निर्वाचन आयोग की मदद से मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं, प्रजातंत्र का चीरहरण किया जा रहा है। दूसरी तरफ विपक्षी नेताओं को दबाने के लिए ईडी, आईटी, सीबीआई, डीआरआई का दुरुपयोग किया जा रहा है। लेकिन अब देश की जनता समझ गई है।

नर्स निमिषा प्रिया मामला : सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई, केस लड़ रही संस्था ने मांगी यमन जाने की इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को फांसी की सजा से बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। इस मामले में %सेव निमिषा प्रिया एक्शन काउंसिल% नामक संगठन ने कोर्ट से अनुमति मांगी कि उन्हें यमन जाकर मृतक के परिवार वालों से बातचीत करने की इजाजत दी जाए। संगठन का मानना है कि मृतक के परिवार से बातचीत के जरिए निमिषा की सजा को माफ करने या कम करने की संभावना बन सकती है।

ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि आप सरकार के पास ज्ञापन दीजिए। सरकार अपने हिसाब से इस पर फैसला लेगी। हम इस पर कुछ नहीं कह सकते। इस मामले की अगली सुनवाई अब 16 अगस्त को होगी।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि निमिषा की फांसी की सजा को फिलहाल रोक दिया गया है। उन्होंने इसके लिए भारत सरकार का आभार जताया।

वकील ने कहा कि अब उन्हें यमन जाकर मृतक के परिवार से बात करने की जरूरत है ताकि इस मामले में कोई सकारात्मक हल निकल सके। वहीं, भारत सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमनी ने कोर्ट में कहा कि सरकार नहीं चाहती कि इस मामले में कोई गलत कदम उठे, जिसका नकारात्मक परिणाम हो। सरकार का उद्देश्य निमिषा प्रिया को सुरक्षित भारत वापस लाना है। उन्होंने कोर्ट को आश्वासन दिया कि सरकार इस मामले में पूरी सावधानी और संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। बता दें, केरल की रहने वाली नर्स निमिषा प्रिया को यमन में एक हत्याकांड में मौत की सजा सुनाई गई थी।

नर्स निमिषा प्रिया 2008 से यमन में रह रही थीं। उन्होंने एक क्लीनिक शुरू किया था, लेकिन

स्थानीय कानून का पालन करने के लिए यमन के नागरिक तलाल अब्दुल मेहदी को साझेदार बनाना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तलाल अब्दुल मेहदी ने बाद में निमिषा को परेशान करना शुरू कर दिया था। वह उनका पैसा हड़पने लगा और कथित तौर पर पासपोर्ट भी छीन लिया था।

साल 2017 में पासपोर्ट वापस लेने की कोशिश में निमिषा ने तलाल अब्दुल मेहदी को बेहोश करने के लिए एक इंजेक्शन दिया, लेकिन इससे मेहदी की मौत हो गई थी। इसी मामले में निमिषा प्रिया को फांसी की सजा हुई है।

राहुल गांधी ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट को बताया षड्यंत्र,कहा- सरकार मेरे जीजाजी को परेशान कर रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ चार्जशीट को %षड्यंत्र का हिस्सा% करार दिया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाए कि उनके बहनोई रॉबर्ट वाड्रा को पिछले दस साल से यह सरकार (भाजपा सरकार) परेशान कर रही है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर एक पोस्ट में लिखा, मेरे जीजा रॉबर्ट वाड्रा को पिछले दस सालों से यह सरकार परेशान कर रही है। यह चार्जशीट उसी षड्यंत्र का एक और हिस्सा है। मैं रॉबर्ट, प्रियंका और उनके बच्चों के साथ हूं, क्योंकि वे दुर्भावनापूर्ण, राजनीतिक रूप से प्रेरित आरोपों और उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं।

कांग्रेस सांसद ने आगे लिखा, मुझे पूरा विश्वास है कि वे सभी किसी भी तरह के अत्याचार का

साहसपूर्वक सामना करने में सक्षम हैं और वे हमेशा की तरह गरिमा के साथ इसे सहन करेंगे। आखिरकार सच्चाई की जीत होगी।

केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ शिकोहपुर भूमि से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में चार्जशीट दाखिल की। ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा और उनकी कंपनी की 37.64 करोड़ रुपए की 43 संपत्तियों को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अटैच भी किया।

ईडी की चार्जशीट के अनुसार, रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने गुरुग्राम जिले के शिकोहपुर गांव में 3.53 एकड़ जमीन ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज से 7.5 करोड़ रुपए में झूठे दस्तावेजों% के आधार पर धोखाधड़ी से खरीदी थी। इसमें यह भी कहा गया है कि रॉबर्ट वाड्रा ने %रसूख% का इस्तेमाल कर खरीदी गई जमीन पर व्यावसायिक लाइसेंस हासिल किया।

यह जमीन खरीद सौदा फरवरी 2008 में हुआ था, जब हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्यमंत्री थे। नामांतरण की प्रक्रिया, जिसमें आमतौर पर महीनों लगते हैं, वह अगले ही दिन पूरी हो गई थी।

कुछ महीनों बाद रॉबर्ट वाड्रा को वहां एक हाउसिंग सोसाइटी बनाने की अनुमति मिल गई और उस जमीन की कीमत काफी बढ़ गई। जून में उन्होंने यह जमीन डीएलएफ को 58 करोड़ रुपए में बेच दी।

आईआईटीयन अनीश सेनगुप्ता को मिला बीएसएल में डबल चार्ज, अब 'संकार्य' भी उनके हवाले

भिलाई / बोकारो (समय दर्शन)। बीएसएल के अधिशासी निदेशक (परियोजना) अनीश सेनगुप्ता को अब अधिशासी निदेशक (संकार्य) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

वे आईआईटी खड़गपुर से बी. टेक (इलेक्ट्रिकल) और एक्सआईएम भुवनेश्वर से एमबीए कर चुके हैं। नवंबर 2024 में उन्होंने बीएसएल में ईडी (परियोजना) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। बोकारो जॉइन करने से पहले वे भिलाई स्टील प्लांट में सीजीएम (यूआरएम) के पद पर कार्यरत थे। श्री सेनगुप्ता के पास स्टील उद्योग में बहुवर्षीय अनुभव है, जिससे बीएसएल को भविष्य की परियोजनाओं व संचालन में और मजबूती मिलने की उम्मीद है। बीएसएल में उन्हें दोहरी जिम्मेदारी मिलने से कार्य संचालन में न केवल गति आएगी बल्कि उनकी नेतृत्व क्षमता से संयंत्र को रणनीतिक दिशा भी मिलेगी।

मोतिहारी : पीएम मोदी ने बिहार को दी 7,200 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

चार अमृत भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

मोतिहारी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को बिहार के मोतिहारी पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान पीएम मोदी ने मोतिहारी के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम में करीब 7,200 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से रेल, सड़क, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों से जुड़ी विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री ने बिहार में प्रमुख रेल परियोजनाओं में समस्तीपुर-बछवाड़ा लाइन पर स्वचालित सिग्नलिंग का उद्घाटन किया तथा पाटलिपुत्र में वंदे भारत रखरखाव सुविधा और दरभंगा-नरकटियागंज लाइन के दोहरीकरण सहित 4,080 करोड़ रुपए की रेल परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। पीएम मोदी ने राजेन्द्र नगर टर्मिनल (पटना) से नई दिल्ली, बापूधाम मोतिहारी से दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल), दरभंगा से लखनऊ (गोमती नगर), और मालदा टाउन से लखनऊ (गोमती नगर) के बीच भागलपुर के रास्ते चार नई अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर भी रवाना किया।

इस क्रम में उन्होंने एनएच-319 पर 4-लेन के आरा बाईपास की आधारशिला रखी, जो आरा-मोहनिया एनएच-319 और पटना-बक्सर एनएच-922 को जोड़ेगा। उन्होंने 820 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले एनएच-319 के परारिया से मोहनिया तक 4-लेन वाले खंड का भी उद्घाटन किया।

इस दौरान उन्होंने दरभंगा में नए सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) और पटना में एसटीपीआई की अत्याधुनिक इनक्यूबेशन सुविधा का उद्घाटन किया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने बिहार में मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में %प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना% (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत मंजूर मत्स्य विकास परियोजनाओं की एक श्रृंखला का उद्घाटन किया।

पीएम मोदी ने अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत बिहार में लगभग 61,500 स्वयं सहायता समूहों को 400 करोड़ रुपए भी जारी किए। बता दें कि महिला-नेतृत्व वाले विकास पर विशेष ध्यान देते हुए 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है।

विधानसभा में अजय चंद्राकर ने उठाया मामला

मंत्री ने स्वीकारा- दिव्यांग शिक्षण कॉलेज के रिक्त पद नहीं भरा जाना दुर्भाग्यपूर्ण

समय दर्शन

रायपुर। विधानसभा में आज महिला, बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने खुले मन से स्वीकारते हुए कहा कि दिव्यांग महाविद्यालयों के रिक्त पद इतने समय तक नहीं भरे जाने की मुझे तकलीफहै। इसे मैं अपना दुर्भाग्य समझती हूं। प्रश्नकाल में श्रीमती राजवाड़े, भाजपा विधायक अजय चंद्राकर के सवालों का जवाब दे रही थीं।

भाजपा विधायक अजय चंद्राकर का सवाल था कि क्या शासकीय दिव्यांग महाविद्यालय रायपुर अंतर्गत सेटअप स्वीकृत है? यदि हां तो सेटअप अनुसार कितने पद भरे गए व कितने रिक्त हैं? कौन-कौन से विषयों में अध्यापन कराया जा रहा है और कितने दिव्यांग छात्र अध्ययनरत हैं? उक्त महाविद्यालय अंतर्गत अध्ययनरत छात्रों को अन्य क्या-क्या सुविधाएं दी जा रही हैं? महाविद्यालय के संचालन हेतु राज्य सरकार व्दारा वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक कितनी-कितनी राशि का बजट प्रावधान किया गया था तथा राशि किन-किन कार्यों में व्यय की गई? महिला, बाल विकास मंत्री एवं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की ओर से जवाब आया कि शासकीय दिव्यांग महाविद्यालय में दो विषय (1) बी.पी.ए. (बैचलर ऑफ परफार्मिंग आर्ट) मुख्य विषय हिन्दुस्तानी गायन एवं तबला तथा (2) बी.एफए. (बैचलर ऑफ फाईन आर्ट्स) चित्रकला विषय में कक्षाएं संचालित हैं। वर्तमान में 130 छात्र-छात्राएं अध्यनरत हैं।

अजय चंद्राकर ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल दोनों का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि जब आप दोनों मुख्यमंत्री थे समाज कल्याण विभाग के संचालनालय के माध्यम से दिव्यांगों के ये शिक्षण संस्थान खुल चुके थे। 1 पद को छोड़ दें तो सभी दिव्यांग शिक्षण संस्थानों में प्लेसमेंट के माध्यम से पद भरे गए। यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि इन शिक्षण संस्थानों के लिए मिलने वाला अनुदान लगातार कम हो रहा है।

भूपेश बघेल के बेटे की गिरफ्तारी की गूंज विधानसभा में...

विपक्ष ने किया दिन भर की कार्यवाही का बहिष्कार

ईडी व्दारा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार कर लिए जाने की गूंज आज विधानसभा में भी सुनाई दी। कांग्रेस विधायकों ने सदन की दिन भर की कार्यवाही का बहिष्कार किया। कांग्रेस विधायक दल ने आज हसदेव जंगल में पेड़ों की कटाई पर स्थगन प्रस्ताव लाया था। स्पीकर ने यह मामला हाईकोर्ट में लंबित होने का हवाला देते हुए सदन में चर्चा कराने की अनुमति नहीं दी। इसके विरोध में विपक्षी विधायकगण सरकार के खिलाफनारेबाजी करने लगे। हंगामा होते देख स्पीकर ने सदन की कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरु होने पर नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि भूपेश बघेल के यहां आज ईडी का छापा पड़ा है। आज उनके बच्चे का जन्म दिन है। ईडी बच्चे को उठा ले गई। यह सब सरकार के दबाव में हो रहा है। इसके विरोध में विपक्ष आज की दिन भर की कार्यवाही का बहिष्कार करता है। इसके बाद सारे कांग्रेस विधायक सदन से बाहर चले गए। कार्यवाही का बहिष्कार करने के बाद नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने अपने कक्ष में कांग्रेस विधायकों की आपात बैठक ली। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित अन्य कांग्रेस विधायकगण मौजूद थे।

अनुदान की राशि फर्नीचर खरीदी व भोजन व्यवस्था तक ही सीमित होकर रह गई है। यदि इन शिक्षण संस्थानों को नहीं चला पा रहे हैं तो एनजीओ को दे दें। ऐसी कौन सी प्लेसमेंट सर्विस है जो तबला वादक या फाइन आर्ट विशेषज्ञ की सप्लाई करती है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि इतने समय तक पद नहीं भरे जाने की तकलीफमुझे भी है। कहीं न कहीं हम भावनाओं को नहीं समझ पा रहे हैं। 2017 से पद स्वीकृत हैं। सवाल है कि 2018 में जो सरकार आई वह इस काम को क्यों नहीं कर पाई। दिव्यांग शिक्षण संस्थानों की जो स्थिति है उसे मैं अपना दुर्भाग्य समझती हूं। विभागीय अधिकारियों से मुझे वस्तुस्थिति का पता चला। इससे पहले गहराई तक नहीं जा पाई थी। दिव्यांग शिक्षण संस्थानों से संबंधित 112 पद जो स्वीकृत हैं उन्हें भरने के लिए जल्द फाइल आगे बढ़े यह मेरी प्राथमिकता होगी। चंद्राकर ने पूछा कि दिव्यांग शिक्षण संस्थानों के लिए पहले अनुदान राशि 97 लाख थी, जो घटकर 57 लाख हो गई, इसके पीछे क्या कारण है? व्यवस्था को कब तक ठीक करेंगे अवधि बताएं? या फिर प्राइवेट को दे दें। दिव्यांगों के साथ मजाक न हो। मंत्री ने कहा कि विषय गंभीर है। जल्द इस ओर कार्यवाही होगी।

संक्षिप्त समाचार

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की प्रदेश स्तरीय बैठक मुंगेली में संपन्न : पदाधिकारियों की हुई नियुक्ति

मुंगेली(समय दर्शन) शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की छत्तीसगढ़ प्रदेश स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक मुंगेली रेस्ट हाउस में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस अवसर पर प्रदेश एवं जिला स्तर के पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई, जिसमें संगठनात्मक मजबूती और आगामी रणनीतियों पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक में प्रदेश कार्य समिति अध्यक्ष के रूप में ठाकुर हरिकिशोर जी को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही चंद्र मौली मिश्रा, दाऊ राम चौहान, संतोष पाण्डेय एवं रवि मेजरवार को प्रदेश महासचिव बनाया गया। प्रदेश कोषाध्यक्ष का दायित्व समीर पाल को सौंपा गया।प्रदेश सचिव पद पर सुरेंद्र यादव, गिरवर वर्मा, मनहरण साहू, गगन वैष्णव, कमल बोस, सरगिम क़वासी, विष्णु वैष्णव और शिव लिमजे को मनोनीत किया गया। प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी प्रेम शंकर महिलांग को दी गई।महिला शिवसेना की ओर से प्रदेश महिला सचिव के रूप में गंगोत्री साहू, पिंकी पटेल, ममता राजपूत एवं अहिल्या यादव की नियुक्ति की गई। वहीं सारंगढ़-बिलाईगढ़ से संगीता केवट को जिलाध्यक्ष तथा मुंगेली जिला अध्यक्ष के रूप में संतोष साहू को नियुक्त किया गया।बैठक में प्रदेश एवं जिला स्तर के अन्य पदों पर भी संगठन के सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। इस कार्यक्रम ने संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त करने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित किया है। शिवसेना ने स्पष्ट किया है कि आने वाले समय में संगठन प्रदेश की जनता की आवाज़ बनकर जनहित में सक्रिय भूमिका निभाएगा।कार्यक्रम में मुंगेली से ओ.पी. यादव, भानू निषाद, इंद्र कुमार साहू, महेंद्र साहू, रामायण साहू, अजय यादव, गोकुल यादव, जयकुमार यादव, श्रीराम यादव, परमेश्वर साहू, राजेश्वर साहू, कमलेश साहू, सोनू यादव, गोपाल साहू, धर्मेंद्र यादव, मिथलेश साहू, संजय यादव, सनत साहू, अनिल यादव, मनोहर साहू, रामकुमार कश्यप, जीतेन्द्र कश्यप, दुर्गेश कश्यप, रवि निषाद एवं सूरज यादव सहित सैकड़ों शिव सैनिक उपस्थित रहे।

भंडारपुरीधाम से उठी न्याय की आवाज़ : गुरू खुशवंत साहेब पर हमले से सतनामी समाज में आक्रोश की लहर

दोषियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

मुंगेली (समय दर्शन) बेमेतरा/आरंग विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरू खुशवंत साहेब पर सुनियोजित हमले की घटना से समूचे सतनामी समाज में तीव्र आक्रोश व्याप्त है। समाज इसे एक कायराना हरकत मान रहा है और न्याय की मांग को लेकर एकजुट हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 12 जुलाई 2025 को गुरू खुशवंत साहेब बेमेतरा जिले की नवागढ़ तहसील में अखिल भारतीय सतनाम सेना जो राष्ट्रीय स्तर पर सतनामी समाज का सबसे बड़ा संगठन है। के विस्तार कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। कार्यक्रम के पश्चात जब वे अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान कर रहे थे, उसी दौरान ग्राम भोईनाभाठा बायपास के समीप कुछ असामाजिक तत्वों ने उनकी गाड़ी पर अचानक पत्थरबाज़ी कर दी। इस हमले को समाज ने एक सुनियोजित हत्या का प्रयास करार दिया है।घटना की जानकारी मिलते ही प्रदेशभर के सतनामी समाज में आक्रोश की लहर दौड़ गई। समाज के प्रमुख धर्मगुरु एवं भंडारपुरीधाम के गद्दीनसीन राजागुरु बालदास साहेब स्वयं 13 जुलाई को दोपहर 1:00 बजे घटना स्थल पर पहुंचे और पूरी स्थिति का निरीक्षण किया। उनके साथ अखिल भारतीय सतनाम सेना, विभिन्न जिला महंत, समाज प्रमुख, जनप्रतिनिधि तथा अन्य सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। समाज ने इस गंभीर घटना के लिए बेमेतरा जिला प्रशासन को सीधे तौर पर ज़िम्मेदार ठहराया है और पुलिस अधीक्षक बेमेतरा को दो दिवस की चेतावनी देते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। साथ ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से विशेष भेंट कर घटना की निष्पक्ष एवं गहराई से जांच की मांग भी रखी गई है।दुर्भाग्यवश घटना के कई दिन बीत जाने के बाद भी न तो कोई जांच प्रारंभ हुई है और न ही आरोपियों पर कोई कार्रवाई की गई है। इससे छत्तीसगढ़ ही नहीं, देशभर में फैले सतनामी समाज के बीच रोष और असंतोष की भावना गहराती जा रही है।

सतनामी समाज की चेतावनी- समाज ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि जल्द से जल्द दोषियों की गिरफ्तारी कर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी सम्पूर्ण ज़िम्मेदारी राज्य शासन एवं प्रशासन की होगी।

इस घटना ने न केवल समाज की भावनाओं को झकझोरा है, बल्कि एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा और समाज की संवेदनाओं के प्रति प्रशासन कितना सजग है?

सरपंच प्रतिनिधि दीपक मधुकर के नेतृत्व में वरिष्ठ सहित युवाओं ने किया पौधारोपण

ग्राम धमनी में हर्रा बैहेरा आम कटहल नीम करंच सहित फलदार व छायादार वृक्ष का किया गया रोपड़

सक्ती/ समय दर्शन। जिले क्षेत्र के जनपद पंचायत जैजैपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत धमनी में सरपंच प्रतिनिधि दीपक मधुकर के नेतृत्व में फ्लदार व छायादार वृक्ष का पौधारोपण किया गया है जिसमें ग्राम पंचायत धमनी के वरिष्ठ जन सहित युवाओं ने पौधारोपण कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और गांव के ही प्राचीन तालाब जिसको ननकी तरीया के नाम से सभी जानते हैं उनके मेड के चारों तरफफ्लदार व छायादार वृक्ष जैसे हर्रा बैहेरा आम का पेड़ कटहल करंच नीम सहित अनेकों प्रकार की पौधारोपण किया गया है आपको बता दे की सरपंच प्रतिनिधि दीपक मधुकर के नेतृत्व में लगातार ग्राम पंचायत धमनी में समाज से जुड़े हुए अनेकों प्रकार के कार्य किया जा रहा है जैसे तालाब की साफसफाई नालियों की साफ्ई जैसे कार्य निरंतर किया जा रहा है अभी उनके और उनके टीम के द्वारा ग्राम में अनेकों प्रकार के वृक्ष रोपण भी किया गया है और उन्होंने कहा है कि ग्राम पंचायत धमनी में मूलभूत सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा जाएगा साथ ही ग्राम पंचायत की विकास के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा इस अवसर पर प्रमुख रूप से जनपद सदस्य विजय केशी महेंद्र खुराना,रोहित बंजारे परमानंद साहू,विक्रम खुराना ओमप्रकाश निराला,खगेश्वर खटर्जी, नारद टंडन,सुभाष मिरी,गौरीशंकर, ओमप्रकाश खटर्जी,रघुबर मधुकर, चुलबुल खूंटे,सेवक खूंटे, तथा गांव के नागरिक शामिल थे।

दीपक मधुकर सरपंच प्रतिनिधि ग्राम धमनी- मानव जीवन के लिए पेड़ पौधे का होना अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है पेड़ पौधे द्वारा ही ऑक्सीजन प्राप्त होता है बिना ऑक्सीजन के मानव जीवन संभव नहीं है पेड़ पौधे के द्वारा ही हमें ऑक्सीजन प्राप्त होता है जिससे मानव जीवन संभव है हमारे लिए वृक्षरोपण बहुत जरूरी है हमारा पर्यावरण संतुलित वृक्षों के द्वारा ही होता है इसीलिए वृक्ष लगाना अति आवश्यक है।

विपक्ष को कुचलने का प्रयास कांग्रेस नेताओं के बाद अब परिजनों को भी प्रताड़ित कर रहे है - राकेश ठाकुर

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पुत्र को उनके जन्मदिन के दिन गिरफ्तार करने पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने इसे निंदनीय व भाजपा की द्वेषपूर्ण , ओछी राजनीति कहा उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र के अंतिम दिन जब छत्तीसगढ़ में अडानी के अंधाधुंध जंगलों की कटाई का मुद्दा उठने वाला था , उस दिन पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी के पुत्र चैतन्य बघेल को उनके जन्मदिन के दिन ईडी द्वारा गिरफ्तार करना । भाजपा द्वारा श्वष्ठ के दुरुपयोग और विपक्ष को कुचलने के प्रयास का प्रत्यक्ष उदाहरण है ।

पूर्व में भी भूपेश बघेल के यहां ईडी सीबीआई के छापे पड़े उनके करीबियों के यहां छापे पड़े अब परिजनों को प्रताड़ित कर रहे है । भूपेश बघेल जी राष्ट्रीय राजनीति में उनके बढ़ते प्रभाव पंजाब के प्रभारी बनने के बाद भूपेश बघेल जी से भाजपा को भविष्य में खतरा लग रहा है इसलिए लगातार उन्हीं को बेबुनियाद आरोप लगाकर ईडी सीबीआई से डराकर उन्हें प्रताड़ित कर रही है , लेकिन भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ की जनता की आवाज है वो झुकने डरने वाले नेता नहीं । ईडी द्वारा कांग्रेस के नेताओं के बाद उनके परिजनों को प्रताड़ित कर मोदी जी अपने उद्योगपति आका को खुश करने और विरोध को रोकने का कार्य कर रही है लेकिन भाजपा के प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह जान ले कि कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता किसी दबाव या डर से झुकने वाली पार्टी नहीं जो अंग्रेजों से नहीं डरे तो अब चोरों से क्या डरेंगे ।

''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'' अभियान के तहत बाल संरक्षण हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मुंगेली(समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजुला शर्मा के मार्गदर्शन में लोरमी विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं कन्या पूर्व माध्यमिक शाला खुड़िया में ''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'' अभियान के अंतर्गत बाल संरक्षण हेतु विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्रीमती अंजुबाला शुक्ला ने बाल संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों जैसे बाल विवाह, बाल श्रम, बाल शोषण तथा किशोरों के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर प्रभावी जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी बताया कि मानसिक या शारीरिक हिंसा, लैंगिक शोषण, मोबाइल के दुरुपयोग तथा साइबर अपराध से कैसे बचा जाए। इस दौरान चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 की उपयोगिता की भी जानकारी दी गई। इसके साथ ही बच्चों को 12वीं कक्षा तक शिक्षा जारी रखने के साथ ही शाला त्यागी बच्चों को पुन: विद्यालय से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बेटियों को सुरक्षा, शिक्षा और समान अधिकार प्रदान करना रहा।

नव पदस्थ पुलिस निरीक्षक जयकुमार साहू से पत्रकार टीम सौजन्य मुलाकात किये

बिर्रा (समय दर्शन)। पुलिस थाना बिर्रा के नवपदस्थ पुलिस निरीक्षक जयकुमार साहू ने पत्रकार टीम को सौजन्य मुलाकात में कहा कि पुलिसिग व्यवस्था दुरुस्त रहेगी साथ ही पुलिस और जनता के बीच संवाद स्थापित करने के लिए हरसंभव प्रयास करने की बात कही आज शाम को प्रेस क्लब बिर्रा ने पुलिस थाना बिर्रा में नवपदस्थ पुलिस निरीक्षक जयकुमार साहू को पुष्प गुच्छ भेंट कर सौजन्य मुलाकात मुलाकात किया तथा पुलिस थाना प्रभारी जयकुमार साहू ने पत्रकार को बताया कि इसके पूर्व डीडीनगर रायपुर नारायणपुर कांकेर दन्तेवाड़ा केशकाल के अलावा भोपालपटनम घोरनक्सली क्षेत्र में अपनी सेवा दी है तथा नक्सली इलाकों में नक्सलियों से लोहा मनवा लिए है। पुलिसिंग व्यवस्था को क्षेत्र में तेजी लाने के लिए के लिए हर समय पुलिस को चौकन्ना होकर कार्य करने के अलावा पुलिस पेट्रोलिंग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा तथा सभी सरकारी संस्था एवं गैर अधर्दशासकीय स्कूल के सभी वाहन चालक की बैठक बुलाई जाएगी तथा चालक का डेस व फ्टि अनफ्टि की जानकारी ली जाएगी। वहीं नवपदस्थ पुलिस निरीक्षक जयकुमार साहू के चार्ज के बाद पुलिस व्यवस्था को लेकर जनता में काफी उत्सुकता दिखाई दे रहा है तथा आने वाले समय में गुड़ा बदमाश और अवैध कारोबार करने वाले में डर का माहौल देखने को मिल रहा है। सौजन्य मुलाकात करने वाले में प्रेस क्लब के पदाधिकारी संरक्षक चित्रभानु पाड़ेय अध्यक्ष दुर्गा ड्ड़सेना उपाध्यक्ष जीवन साहू कोषाध्यक्ष संजू साहू सचिव एकांश पटेल हेमन्त जायसवाल के अलावा भारी संख्या में प्रेस क्लब पदाधिकारी उपस्थित थे।

सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर दो लाख की ठगी, महिला गिरफ्तार

दुर्ग। राजस्व विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर ग्रामीण से दो लाख रूपये की ठगी करने वाली महिला को पाटन पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला द्वारा फर्जी नियुक्ति पत्र भी जारी किया गया था। मिली जानकारी के अनुसार पाटन थानाक्षेत्र के में रहने वाले ग्राम सिपकोना के निवासी एमन बंजारे ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि गीतांजली टंडन निवासी धमना थाना जामगांव आर जिला दुर्ग ने उसे राजस्व विभाग में नौकरी लगाने के नाम पर उससे दो लाख रूपये ले लिये और विभाग मे ग्रेड 3 तथा चपरासी के पद का फर्जी नियुक्ति पत्र देकर एवं फर्जी चरित्र सत्यापन बनवाकर ठगी कर धोखाधड़ी की है। मामले में आरोपी महिला के खिलाफ थाना पाटन में धारा-420, भादवि के तहत मामला दर्ज किया गया तथा विवेचना मे लिया गया है विवेचना के दौरान प्रकरण में आवेदक द्वारा फर्जी नियुक्ति प्रमाण पत्र एंव फर्जी चरित्र सत्यापन के दस्तावेज पेश करने पर प्रकरण में धारा 467,468,471 भादवि जोड़ी गयी आरोपी महिला घटना के बाद से फरार चल रही थी जिसे दिनांक 17/07/2025 विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

वन महोत्सव कार्यक्रम-2025 का हुआ आयोजन

जिला पंचायत अध्यक्ष, कलेक्टर सहित जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के तहत किया पौधारोपण

11वीं बटालियन पुटपुरा में 23 हेक्टेयर क्षेत्र में 25,300 पौधे लगाए गए

जांजगीर-चांपा/समय दर्शन। वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वावधान में आज 11वीं बटालियन पुटपुरा परिसर में वन महोत्सव कार्यक्रम-2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता आनंद मिरि, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, डीएफओ श्री हिमांशु डोंगरे, कमांडेंट श्री विमल बैस, जिला पंचायत सदस्य सुश्री आशा साव, श्रीमती उमा राजेन्द्र राठौर, श्री अमर सुल्तानिया, श्री आनंद मिरि सहित जनप्रतिनिधि एवं उपवनमंडल अधिकारी, वनपरिक्षेत्र अधिकारी, अधिकारी-कर्मचारियों ने एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के तहत पौधारोपण किया। कलेक्टर श्री महोबे ने 11वीं बटालियन पुटपुरा में किये गये 23 हेक्टेयर में 25,300 पौधरोपण अभियान की सराहना की। कलेक्टर ने सभी नागरिकों से अपने आस-पास अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान का उद्देश्य वृक्षारोपण एवं भावनात्मक जुड़ाव के माध्यम से प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी विकसित करना है। उन्होंने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल व निगरानी सुनिश्चित करने कहा। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता आनंद मिरि एवं जनप्रतिनिधियों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उसकी देखभाल करने की अपील की।

वनमंडलाधिकारी श्री हिमांशु डोंगरे ने कहा कि 11वीं बटालियन पुटपुरा में 23 हेक्टेयर क्षेत्र में चरणबद्ध 25,300 पौधों का रोपण किया गया। उन्होंने सभी नागरिकों, स्वयं सेवी संगठनों, जनप्रतिनिधियों से पौधरोपण करने और उसकी देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पौधरोपण से हम न केवल पर्यावरण को सुरक्षित करते हैं, बल्कि भावी पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और स्वस्थ वातावरण का उपहार देते हैं। इस अवसर पर नीम, सागौन, महोगनी, आम, अर्जुन, करंज, अशोक, आंवला सहित विभिन्न औषधीय एवं फ्लदार पौधे लगाये गये।

किशोरों के भविष्य को निगल रहा नशा

नशे के कारोबार ने छीना परिवार का शुकून, चैन और इज्जत, नशे के कारोबार और नशा खोरी से परेशान बसना के रिहायशी आवाम

बसना (समय दर्शन)। महासमुंद जिले के बसना में अवैध नशीले पदार्थों का कारोबार जोरो पर है ।सूत्रों की माने तो यहां हर गली मोहल्लों एवं वार्ड क्रमांक 1: 2: 4:5 6: 10: 11: सांई नगर तथा14: 15: एवं ग्राम अरेकेल एवं आसपास के इलाके से नशे में उपयोग में आने वाला समान आसानी से उपलब्ध है।

अवैध ड्रग्स और शराब की गली कूचों में उपलब्धता- चाहे वो नेट्रो 10 अल्फ जोलम हो ? चाहे वो इंजेक्शन हो ? सुलेशन हो ? और यहां तक कि अब अवैध महुआ शराब ये सब यहां गली मोहल्लों में आसानी से मिलने के कारण इनका उपयोग इतना तेजी से बढ़ रहा है, जिसकी कोई सीमा नहीं है ?

युवाओं के साथ अब किशोर भी नशे की चपेट में : युवा वर्ग तो इसकी चपेट में पहले ही आ चुके पर अब किशोर और कम उम्र के बच्चे भी इससे अछूते नहीं रहे ? जिसका परिवार और समाज पर गहरा असर पड़ रहा है ।

नगर की महिलाएं अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित है ? उनका कहना है- नशे का समान गोली, सिरप, इंजेक्शन, सुलेशन इत्यादि इतनी आसानी से मिल जाने के कारण हमारे बच्चे भी इसकी चपेट में आ रहे हैं।

शासन प्रशासन से माँग : हम शासन प्रशासन से यह मांग करते है कि, जो भी व्यक्ति नशे के कारोबार में संलिप्त है, उन पर शासन प्रशासन कड़ी से कड़ी कार्यवाही करें और बढ़ते अवैध नशीले पदार्थ के कारोबार पर अंकुश लगाए ।

अवाम की फरियाद : वहीं सेवानिवृत शिक्षक बद्री प्रसाद पुरोहित का कहना है कि, मेरे घर के बाउंड्री के सामने पेड़ के नीचे छोटे बच्चे युवा वर्ग रोजाना अड्डा बना कर अपने नशापान को अंजाम दे रहे हैं।

यहां बैठ कर गांजा बीडी कोरेक्स सिरप पीते हैं। जिसका धुआँ सीधे मेरे घर पर आता है। यहां हो रहे नशे से वार्ड के कुरैशी सर का कहना है कि,हमने इसकी शिकायत वार्ड मेंबर को भी किये हैं । ये नशेबाज छोटे-छोटे बच्ची, लड़की, मां-बहन को नशे की हालात में गाली गलौज, छेड़ छाड़ करते हैं ।

इस पर उचित कार्यवाही कराएं ।

भविष्य के लिए खतरे की घंटी : बसना में नशा खोरी इतना ज्यादा बढ़ गया है कि,नशे के अवैध कारोबारियों पर शासन प्रशासन द्वारा नियंत्रण नहीं किया

गया तो आगे चलकर यह बसना ही नहीं पूरे क्षेत्र के लिए विकराल समस्या बन जाएगा।बाद मे इस पर काबू पाना बहुत ही मुश्किल हो जाएगा ।

नगर की अवाम द्वारा शासन प्रशासन पुलिस विभाग इस पर जल्द से जल्द कार्यवाही करें। इस नशा के चलते घर,परिवार बर्बाद हो रहा है।

पत्रकारों ने नशा का कारोबार बंद कराने शासन प्रशासन को लिखा पत्र : वहीं इस संदर्भ में इब्राहिम कादरी जिला उपाध्यक्ष पत्रकार कल्याण महासंघ का कहना है कि मेरे और मेरे रिपोर्टर साथियों द्वारा समाचार पत्र और अन्य मिडिया के माध्यम से , बसना क्षेत्र में हो रहे अवैध नशीले दवाइयों और इंजेक्शन उपयोग के संबंध में ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की गई थी, पर इस पर शासन प्रशासन द्वारा उचित कार्यवाही कहीं नजर नहीं आया। जिसके बाद वार्ड क्रमांक पंद्रह ,पाँच,चार में सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार नशा के कारण हत्या और आत्म हत्या की बात सामने आई है। बीते वर्ष से अभी तक नगर के दर्जनों लोग नशापान के शिकार हो चुके हैं ।

पत्रकार कल्याण महासंघ के रिपोर्टर साथियों द्वारा नशे के लिए उपयोग में आने वाले अवैध नशीले दवाओं और इंजेक्शन पर अंकुश लगाने और कार्यवाही करने के लिए महासमुंद जिला के कलेक्टर कार्यालय, उप पुलिस अधीक्षकघ कार्यालय एवं ड्रग इंस्पेक्टर स्वास्थ विभाग के कार्यालय में आवेदन कर बसना और उसके आस पास के क्षेत्र में बढ़ते नशीले पदार्थों पर अंकुश लगाने और नशा और नशे के कारोबार में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों पर उचित एवं दंडात्मक कार्यवाही की मांग की गई थी ।

शासन प्रशासन की उदासीनता : जिले के प्रमुख कार्यालयों मे आवेदन जमा करने के लगभग एक महीने बाद भी कोई उचित कार्यवाही का नहीं होना, शासन प्रशासन की उदासीनता और निष्क्रियता चिंता जनक है ? जगह जगह गली मुहल्लों मे सर्व सुलभ अवैध शराब और नशे के सामान की बिक्री ने नशा के प्रति लोगों को उकसा रहा है। शासन प्रशासन को चाहिए , इस पर देर नहीं करते हुए जल्द से जल्द कार्यवाही कर नगर को नशा के कारोबार पर अंकुश लगाये ।

नशे के खिलाफ जागरूकता एवं कार्यवाही जारी है : नशे को लेकर महासमुन्द बसना पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत के अनेक ग्राम में नशामुक्ति एवं साइबर सुरक्षा का एक दिवसीय जागरूकता अभियान सतत चलाया जा रहा है।

बसना थाना प्रभारी ने बताया कि, इसके मद्देनज़र बसना थाना द्वारा नशा मे प्रयुक्त होने वाले टेबलेट,सीरफ इंजेक्शन, गाँजा एवं अवैध शराब पर सतत कार्यवाही जारी है ।

राज्यपाल ने निजी विश्वविद्यालयों की ली समीक्षा बैठक

निजी विश्वविद्यालय केवल डिग्री न बांटें, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें : राज्यपाल डेका

रायपुर (समय दर्शन)। राज्यपाल एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलाध्यक्ष रमेन डेका ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के सभी निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि विश्वविद्यालय केवल डिग्रियां बांटने का केंद्र न बनें, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध हों। उन्होंने कहा कि यदि विश्वविद्यालय गुणवत्ता के मापदंडों पर खरे नहीं उतरते, तो उन्हें बंद करने की कार्रवाही की जाएगी।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मापदंडों और नियमों का सख्ती से पालन किया जाए। उन्होंने विश्वविद्यालयों को चेताया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा। हर विश्वविद्यालय को अपनी नीतियों और कार्यशैली में राज्य की प्राथमिकताओं को केंद्र में रखना होगा। बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर.प्रसन्ना ने बैठक में एजेंडा पर विस्तार से प्रकाश डाला।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानकों के अनुरूप शिक्षकों की शीघ्र नियुक्ति के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जितने पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, उनके अनुरूप स्थाई एवं योग्य शिक्षक नियुक्त किए जाएं। योग्य शिक्षक उपलब्ध न होने पर ऐसे पाठ्यक्रमों को बंद किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों की संख्या के अनुसार पर्याप्त फैक्ल्टी होनी चाहिए और अनावश्यक पाठ्यक्रमों का संचालन न किया जाए। उन्होंने नैक ग्रेडिंग के पात्र विश्वविद्यालयों से अनिवार्य रूप से इस प्रक्रिया में भाग लेने को कहा। डेका ने विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों की शिकायतों का शीघ्रता से समाधान करने कहा है। उन्होंने विशाखा समिति को एक्टिव रखने और विद्यार्थियों में तनाव प्रबंधन पर भी विश्वविद्यालयों को सक्रिय भूमिका निभाने कहा है। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संबंध में विद्यार्थियों को भी जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में आए परिवर्तनों और उससे मिलने वाले लाभों की जानकारी छात्रों तक पहुंचाई जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया कि वे स्टार्टअप और नवाचार स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकसित करें। उन्होंने राज्य के आकांक्षी जिलों के गांवों को गोद लेकर वहां नवाचारों को लागू करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय अपने परिसरों में सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित करें। उन्होंने डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने, एलुमिनी मीट आयोजित करने और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण व देखभाल सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में विभिन्न कुलपतियों ने अपने-अपने निजी विश्वविद्यालयों की गतिविधियों और समीक्षा एजेंडे के बिंदुओं पर प्रस्तुतियाँ दीं। निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के चेयरमैन गोयल ने भी निजी विश्वविद्यालयों से जुड़ी चुनौतियों और सुझावों पर ध्यान आकर्षित किया।

बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त संतोष देवांगन, राज्यपाल की उप सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम एवं सभी निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित थे।

आधी बांह वाले कपड़े और चप्पल पहनकर अभ्यर्थियों को देनी होगी परीक्षा

महिलाओं को कान में आभूषण पहनना रहेगा वर्जित

रायपुर (समय दर्शन)। व्यावसायिक परीक्षा मण्डल की परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के लिए नये दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अभ्यार्थियों को परीक्षा के दिन निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में दो घंटे पूर्व अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा। अभ्यर्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आना होगा। फुटवियर के रूप में चप्पलों का उपयोग करना होगा। महिला अभ्यर्थियों को कान में किसी भी प्रकार का आभूषण पहनना वर्जित है। व्यापम से मिली जानकारी के अनुसार यदि इंटरनेट से प्राप्त प्रवेश पत्र पर फोटो नहीं आता है, तो अभ्यर्थी अपने साथ दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो ले कर परीक्षा केंद्र में आना होगा। निर्देशों का पालन ना करने पर अभ्यर्थी को परीक्षा देने से वंचित किया जायेगा।

परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी तथा अभ्यर्थिता समाप्त की जावेगी। परीक्षार्थी, परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका फ्रिस्किंग (स्नह्द्बह्यद्बठ्ठद्द) एवं पहचान पत्र का सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। उदाहरण के लिए यदि कोई परीक्षा प्रात: 10.00 बजे से प्रारंभ हो रहा है तो मुख्य द्वार प्रात: 9.45 बजे बंद कर दिया जावेगा इसलिए समय का विषेश ध्यान रखा जाए।

परीक्षा प्रारंभ होने के पहले आधा घंटा में एवं परीक्षा समाप्ति के आखिरी आधा घंटा में परीक्षा कक्ष से बाहर जाना वर्जित होगा। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रानिक उपकरण, इलेक्ट्रानिक घडी, पर्स, पाऊच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णत: वर्जित किया गया है। प्रवेष पत्र के सभी पेज का प्रिंट आउट ले और पेज के केवल एक तरफ प्रिंट करें, क्योंकि प्रत्येक परीक्षा हेतु व्यापम की प्रति परीक्षा केंद्र में जमा हो जाएगी।

परीक्षार्थी को परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र के साथ पहचान पत्र के रूप में मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पेन कार्ड, आधार कार्ड जिसमें अभ्यर्थी का फोटो हो, का एक मूल पहचान पत्र परीक्षा दिवस में परीक्षा केंद्र में लाना अनिवार्य होगा। मूल पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं करने पर परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा जिसके लिए अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होंगे।

राज्यपाल ने ड्रोन दीदी गोदावरी को किया सम्मानित, सौंपी प्रोत्साहन राशि

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की दिशा में एक नई पहचान बना चुकी ड्रोन दीदी श्रीमती गोदावरी साहू को गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल रमेन डेका ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने उन्हें 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी भेंट की और उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे ग्रामीण महिलाओं के लिए सच्ची प्रेरणा हैं। इस अवसर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना भी उपस्थित थे।

मुंगेली जिले के नगर पंचायत सरगांव की निवासी गोदावरी साहू नमो ड्रोन दीदी के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने पारंपरिक खेती से हटकर आधुनिक तकनीकों को अपनाया और ड्रोन के माध्यम से किसानों के खेतों में नैनो यूरिया, डीएपी खाद और कीटनाशकों का छिड़काव करना शुरू किया। इससे न केवल फसलों की पैदावार बेहतर हुई, बल्कि समय और श्रम की भी बचत हुई। राज्यपाल ने कहा कि गोदावरी साहू की यह यात्रा बताती है कि अगर संकल्प और नवाचार हो तो ग्रामीण महिलाएं भी आत्मनिर्भर बन सकती हैं और दूसरों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा दे सकती हैं। गोदावरी न सिर्फअपने जीवन को संवार रही हैं, बल्कि आसपास के किसानों की प्रगति में भी भागीदार बन चुकी हैं।

उन्नत मत्स्य बीज उत्पादन प्रशिक्षण में नेपाल से भी पहुंचे किसान

रायपुर (समय दर्शन)। कृषि विज्ञान केन्द्र, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में 5 दिवसीय उन्नत मत्स्य बीज उत्पादन के विषय पर प्रशिक्षण संपन्न हुआ। राष्ट्रीय मत्स्य कृषक दिवस के अवसर पर इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. एस. एस. टुटेजा, निदेशक विस्तार सेवायें, इं.गां.कृ.वि. रायपुर के द्वारा किया गया एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर एम.एस.चारी एवं डॉ. गौतम राय, कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर के प्रमुख उपस्थित थे। इस प्रशिक्षण में छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों के साथ साथ बंगाल, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, उडीसा से भी मत्स्य कृषक इस प्रशिक्षण में सम्मिलित हुए। इसके अलावा नेपाल से रेवती सिंह भी सम्मिलित हुए। बरसात के प्रारंभ होते ही मत्स्य प्रजनन का कार्य प्रारंभ होता है जो विश्वविद्यालय के एकीकृत मत्स्य उत्पादन प्रक्षेत्र में कृत्रित प्रजनन इकाई में उपलब्ध सर्कुलर हैचरी में कार्य संपादित होता है। मत्स्य कृषकों में उन्नत मत्स्य बीज उत्पादन प्रशिक्षण लेने हेतु विशेष मांग रहती है। इस दौरान भारतीय मेजर क्रॉप एवं भारतीय कैट फिश मछलियों का ब्रीडिंग एवं उन्नत बीज उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षणार्थी ब्रेड स्टॉक मैनेजमेंट, कृत्रिम प्रजनन, नर्सरी प्रबंधन आदि के बारे में सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक रूप से दिखाया गया, इस प्रशिक्षण में हैचरी प्रबंधन के बारे में विशेष रूप से जोर दिया गया। कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. आरती गुहे, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, रायपुर एवं डॉ. गौतम रॉय, प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर उपस्थित थे। डॉ. गौतम रॉय ने अपने उद्बोधन में 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी एवं इस इकाई को विश्वविद्यालय अंतर्गत उत्कृष्ट केन्द्र (ष्टद्गठ्ठह्लह्म्द्ग शद्ध श्व×ष्द्गद्यद्यद्गठ्ठष्द्ग) के रूप में पहचान बनाने हेतु बधाई दी। मुख्य अतिथि डॉ.गुहे ने अपने उदबोधन में कहा कि समन्वित कृषि में मछली पालन का बहुत बड़ा योगदान है तथा आय का एक उत्तम स्त्रोत है। उन्होने यह भी कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र, रायपुर मछली पालन क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है और विश्वविद्यालय के नाम को एक नई पहचान की ओर ले जा रहे है। इस प्रशिक्षण में सम्मिलित हुए प्रशिक्षणार्थियों ने इस 5 दिवसीय उन्त मत्स्य बीज उत्पादन में जो प्रशिक्षण से सीखे उनके अनुभव सभी के साथ साझा किये और मत्स्य बीज उत्पादन को व्यवसाय के रूप में अपना कर अर्थिक स्वावलम्बी बनने का इच्छा जताई।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद

Phone No. :-07749-222370, Email Id :– ee-res.balod@gov.in

(निविदा (Zonal Tender) सूचना प्रथम बार

क्रमांक/ 03 /व.ले.लि./ ग्रा.यां.से./ 2025–26 बालोद, दिनांक 16.07.2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से निम्न दर्शित क्षेत्रीय निविदा (Zonal Tender) हेतु **जनपद पंचायत (ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र हेतु) बालोद/डौण्डी (दोनों विकासखण्ड हेतु ग्रुप अ, एवं ब) निविदा हेतु प्रमुख अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 01.11.2021 से एवं विद्युतीकरण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रचलित तथा सिविल कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग के दिनांक 01.01.2015 एवं नलकुप खनन हेतु प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील दर अनुसूची की मुद्रित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर निविदा प्रतिशत दर** पर दिनांक 30.07.2025 को अपरान्ह 5.30 बजे तक **निविदा** आमंत्रित की जाती है तथा प्राप्त निविदाओं को दिनांक 31.07.2025 को 11:30 बजे पूर्वान्ह में खोली जावेगी :–

(1) निविदा राशि रू. 20.00 लाख प्रत्येक ग्रुप
(2) अमानत राशि रू. 20000 प्रत्येक ग्रुप
(3) निविदा प्रपत्र का मूल्य :– रू. 750 प्रत्येक ग्रुप

निविदा दस्तावेज कार्यालय द्वारा विक्रय नहीं किया जावेगा, ऑनलाईन पोर्टल https://res.cg.gov.in/ अन्य पोर्टल जिसे निविदा विज्ञप्ति में दर्शाया गया है दिनांक 16.07.2025 से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है

G- 252602247/1

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला–बालोद (छ.ग.)

मानसून में स्केल नहीं, सिर्फआराम : क्रॉम्पटन ने पेश किया रैपिडजेट टीडीएस 2000

रायपुर (समय दर्शन)। क्या मानसून के दौरान खराब पानी की वजह से आपके वॉटर हीटर में दिक्कतें आ रही हैं? अक्सर इस मौसम में पानी की गुणवत्ता बिगड़ जाती है और इसका असर सबसे ज़्यादा आपके हीटर पर पड़ता है। ऐसे में भारत के भरोसेमंद इलेक्ट्रिकल ब्रांड क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने इस समस्या का समाधान पेश किया है ङ्क रैपिडजेट टीडीएस 2000 लॉन्च किया है, जो एक अत्याधुनिक इंस्टैंट वॉटर हीटर है और कठोर पानी के लिए खासतौर पर डिज़ाइन किया गया है। यह पहली बार है जब क्रॉम्पटन के वॉटर हीटर पोर्टफोलियो में एंटी-स्केल टेक्नोलॉजी दी गई है। यह तकनीक हीटर को स्केल जमने से बचाती है और लंबे समय तक बेहतर प्रदर्शन व कम बिजली खपत सुनिश्चित करती है। रैपिडजेट टीडीएस 2000 को खासतौर पर आधुनिक घरों के लिए तैयार किया गया है ताकि उन्हें हर मौसम में भरोसेमंद आराम और टिकाऊ दक्षता मिल सके। इस साल मानसून समय से पहले आ गया और देशभर में जोरदार बारिश हो रही है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, इस बार औसत से 105त्न अधिक बारिश होने की संभावना है। बारिश जहां राहत लेकर आती है, वहीं वह सतही जल स्त्रोतों को गंदा भी कर देती है, जिससे लोग बोरवेल के पानी पर निर्भर होने लगते हैं। यह पानी आमतौर पर कठोर और खनिजों से भरपूर होता है। भारत में बोरवेल के पानी का टीडीएस स्तर 600 से 2000 पीपीएम तक होता है — और कई बार इससे भी ज्यादा। हर साल बोरवेल गहरे खोदे जा रहे हैं, जिससे पानी की कठोरता और भी बढ़ती जा रही है। यह एक सालभर की समस्या बन चुकी है। कठोर पानी से वॉटर हीटर के हीटिंग एलिमेंट पर स्केल जमा हो जाता है, जिससे पानी गर्म होने में अधिक समय लगता है, बिजली की खपत बढ़ जाती है और बार-बार मरम्मत की ज़रूरत पड़ती है। यही वजह है कि यह समस्या न केवल असुविधाजनक है, बल्कि खर्चीली भी साबित होती है। क्रॉम्पटन का नया रैपिडजेट टीडीएस 2000 इन सभी परेशानियों का एक प्रभावी समाधान बनकर सामने आया है। इसमें लगाया गया एंटी-स्केल तकनीक वाला हीटिंग एलिमेंट 2000 पीपीएम तक के टीडीएस स्तर वाले कठोर पानी के लिए प्रयोगशाला में सफ्लतापूर्वक परखा जा चुका है।

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल पंप कर्मचारी की चाक़ू मारकर हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार...

लूट के इरादे से दिया गया वारदात को अंजाम

रायपुर। राजधानी के मंदिर हसौद थाना क्षेत्र में स्थित ग्राम उमरिया के एक पेट्रोल पंप पर बीती रात दिल दहला देने वाली वारदात हुई। बदमाशों ने नाइट ड्यूटी पर तैनात पेट्रोल पंप मैनेजर योगेश मिरी (26) की गला रेतकर हत्या कर दी। इस हमले में एक अन्य कर्मचारी अनिल गायकवाड़ (22) भी गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसका इलाज जारी है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया और आज इस मामले का खुलासा किया।

जानिए पूरा घटनाक्रम– 16-17 जुलाई की दरम्यानी रात, लगभग 3 से 3:30 बजे के बीच, मोटरसाइकिल सवार दो युवक पेट्रोल भरवाने के लिए उमरिया के पेट्रोल पंप पर पहुंचे। दोनों ने कर्मचारी अनिल गायकवाड़ से 50 रुपये का पेट्रोल भरवाया और 200 रुपये दिए। चिल्हर को लेकर विवाद हुआ, और आरोपियों की नजर कर्मचारी के हाथ में रखी नकदी पर पड़ी। आरोपियों ने लूट की नियत से चाकू निकालकर अनिल पर हमला कर दिया और रकम लूट ली।

शोर सुनकर पेट्रोल पंप मैनेजर योगेश मिरी बाहर आया और आरोपियों को पकड़ने की कोशिश की, तभी एक आरोपी ने योगेश के गले पर चाकू से वार किया। गंभीर रूप से घायल योगेश को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

सीसीटीवी फुटेज से पहचान, आरोपी गिरफ्तार– पुलिस ने तुरंत घटना स्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और दोनों हमलावरों समीर टंडन (21 वर्ष), निवासी गातापार, अभनपुर और कुनाल तिवारी (24 वर्ष), निवासी राधाकृष्ण मंदिर के पास, अभनपुर की पहचान की। क्राइम ब्रांच और थाना मंदिर हसौद की संयुक्त टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात को स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपियों से घटना में प्रयुक्त चाकू, मोटरसाइकिल, और लूटी गई नगदी सहित अन्य सामान बरामद किया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों के खिलाफ हत्या, लूट और अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

शहर में दहशत, कानून व्यवस्था पर सवाल– इस घटना ने रायपुर की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। एक व्यस्त नेशनल हाईवे पर स्थित पेट्रोल पंप पर इस तरह की हत्यारी लूट ने स्थानीय नागरिकों और कर्मचारियों में दहशत पैदा कर दी है। लोगों की मांग है कि रात के समय पेट्रोल पंपों की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाए जाएं।

मौसमी बिमारियों की रोकथाम हेतु मैलाथियान एवं टेमिफास का छिड़काव लगातार जारी

भिलाईनगर। नेहरू नगर के वार्ड क्रं. 05 कोसानगर अंतर्गत दीक्षित कालोनी एवं वार्ड 29 स्थित वृंदानगर अटल आवास के समीप मच्छर जनित रोग डेंगू, मलेरिया से बचाव एवं मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम के तहत निगम का विशेष दस्ता एवं जिला मलेरिया विभाग के सर्वेलेंस कार्यकर्ताओं की संयुक्त टीम द्वारा घर-घर जाकर सर्वेक्षण एवं स्प्रेयर पम्प द्वारा मच्छर लार्वा नियंत्रण हेतु पानी मिश्रित एक्यूगार्ड एवं व्यस्क मच्छरों के नियंत्रण हेतु पानी मिश्रित मैलाथियान का छिड़काव कार्य संपादित किया गया। सभी सर्वेक्षित घरों में मच्छर रोधी आवश्यक स्वास्थ्य शिक्षा एवं पाम्पलेट वितरण में वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के. के. सिंह, सुदामा परगनिया एवं जिला मलेरिया विभाग से मोहन राव व उमेश कपूर का विशेष सहयोग रहा। वार्ड क्रं. 44 लक्ष्मी नारायण नगर के गोकुल नगर लाईन में मौसमी बिमारियों की रोकथाम के लिए टेमिफास का छिड़काव लगातार जारी है। बरसात का पानी घर के बाहर रखे पात्रों में भर जाने के कारण मच्छर पनपने लगते हैं। जिससे बिमारियां होने की संभावना ज्यादा बनी रहती है। समस्या को दृष्टिगत करते हुए आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी को दवाई छिड़काव कराने निर्देशित किए हैं। जोन क्रं. 4 के स्वास्थ्य विभाग की टीम डोर-टू-डोर वार्डो में जाकर घरो के अंदर कुलर, पुराने टायर, पानी की टंकियों एवं अन्य जल भराव वाले सामग्रियों की जांच कर टेमिफास दवाई का छिड़काव कर रहे है, जिससे मौसमी बिमारी न फैले।

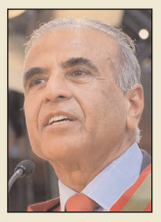

सुनील भारती मित्तल को यूनिवर्सिटी ऑफबाथ द्वारा डॉक्टरेट इन बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (ऑनोरिस कॉज़ा) की उपाधि से सम्मानित किया गया

नईदिल्ली। भारती एंटरप्राइजेज को यह घोषणा करते हुए गर्व है कि इसके संस्थापक और चेयरमैन श्री सुनील भारती मित्तल को यूनिवर्सिटी ऑफ बाथ, यूनाइटेड किंगडम द्वारा बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन में मानद डॉक्टरेट (Honorary Doctorate) की उपाधि प्रदान की गई है।यह सम्मान यूनिवर्सिटी की समर ग्रेजुएशन सेरेमनी के दौरान ऐतिहासिक बाथ एबे (Bath Abbey) में प्रदान किया गया। यह उपाधि श्री मित्तल के वैश्विक व्यापार, उद्यमिता और समाज सेवा में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दी गई है। श्री सुनील भारती मित्तल भारतीय दूरसंचार क्रांति के अग्रदूत माने जाते हैं और उन्होंने भारती एयरटेल—जो विश्व की अग्रणी टेलीकॉम कंपनियों में से एक है—के माध्यम से वैश्विक संचार परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।टेलीकॉम और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर वित्तीय सेवाओं और स्पेस कम्युनिकेशन तक विभिन्न क्षेत्रों में उनके नेतृत्व ने उद्योग जगत को नई दिशा दी है। साथ ही, शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता, उनके उद्देश्यपरक दृष्टिकोण, नवाचार के प्रति समर्पण और वैश्विक दृष्टिकोण को दर्शाती है। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी ऑफ बाथ के वाइस-चांसलर और प्रेसिडेंट प्रोफेसर फिल टेलर ने कहा: हमें श्री सुनील भारती मित्तल की उद्यमिता, नेतृत्व और समाज सेवा में उनके उल्लेखनीय योगदान को सम्मानित करते हुए गर्व हो रहा है। उन्होंने न केवल एक विश्वस्तरीय वैश्विक उद्यम की स्थापना की है, बल्कि उनके मानवीय प्रयासों ने शिक्षा और ग्रामीण विकास के माध्यम से 3.7 मिलियन से अधिक बच्चों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। वह हमारे स्नातक छात्रों के लिए यह सशक्त संदेश छोड़ते हैं कि समाज को कुछ लौटाना कितना महत्वपूर्ण है—और हमें उम्मीद है कि यह भावना उन्हें उनके भावी करियर में प्रेरित करेगी। हम श्री मित्तल का हमारे पूर्व छात्र समुदाय में हार्दिक स्वागत करते हैं, जहां अब वे अपने पुत्र और पुत्री के साथ शामिल हो गए हैं, जिन्होंने पूर्व में हमारी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट और फैकल्टी ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज़ से स्नातक किया। यूनिवर्सिटी ऑफ बाथ, यूनाइटेड किंगडम की प्रमुख शैक्षणिक संस्थाओं में से एक है, जो उच्च प्रभावशाली शोध, उत्कृष्ट शिक्षण और विद्यार्थी जीवन केबेहतरीन अनुभव के लिए जानी जाती है।

संपादकीय

ट्रंप की प्रतिक्रिया

फिलिस्तीन और पश्चिम एशिया के लिए कोई न्याय की बात करे यह बात नेतन्याहू और ट्रंप को हजम नहीं होती। यही कारण है कि जब ब्रिक्स देशों ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, अस्थिरता और गाजा के खिलाफ इस्त्राइली हमलों और कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र की स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की तो ट्रंप तिलमिला उठे। जब ट्रंप अपने देश में यहूदी विरोध के बहाने अपने ही विविद्यालयों पर तमाम पाबंदियां लगा सकते हैं तो ब्रिक्स देशों की यह हरकत कैसे बर्दाश्त करते। फलस्वरूप उन्होंने इन देशों पर ही अतिरिक्त 10 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी तक दे डाली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद जारी संयुक्त घोषणापत्र ट्रंप के तिलमिलाने का कारण साबित हुआ। घोषणापत्र में कही गई हर बात ट्रंप और नेतन्याहू का मुंह ही नहीं चिढ़ाती, बल्कि इसकी भी झलक दिखाती है कि बदलती दुनिया क्या चाहती है। घोषणापत्र में ब्रिक्स देशों ने दोहराया कि इस्त्राइल-फिलिस्तीन संघर्ष का न्यायसंगत और स्थायी समाधान शांतिपूर्ण तरीकों से ही प्राप्त किया जा सकता है। यह फिलिस्तीनी लोगों के वैध अधिकारों की पूर्ति पर निर्भर करता है, जिसमें आत्मनिर्णय और वापसी के अधिकार शामिल हैं। ब्रिक्स ने क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का पालन करने का आह्वान किया है, और मानवीय सहायता के राजनीतिकरण और सैन्यीकरण के प्रयासों की निंदा की। घोषणापत्र सामने आते ही ट्रंप ने तीखी प्रतिक्रिया जताई और ब्रिक्स देशों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दे डाली और कहा कि इसका कोई अपवाद नहीं होगा। लगता है कि ट्रंप ने अपवाद न होने वाली बात कह कर भारत को भी अपना रुख कड़ा करने का इशारा दे दिया है। चीन ने राष्ट्रपति ट्रंप की इस धमकी पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए इसे राजनीतिक दबाव का निर्थक साधन बताया। लेकिन ट्रंप भारत के साथ एक बड़े व्यापार समझौते का जो इशारा देते रहे हैं, लगता है वह उलझ सकता है। अभी तक तो भारत इस्त्राइल विरोधी किसी भी मुहिम में शामिल होने से किनारा करने की नीति पर चलता रहा है, लेकिन लगता है कि ब्रिक्स घोषणापत्र भारत की मजबूरी बन गया है। ब्रिक्स के मूल सदस्यों में शामिल रूस और चीन के तो अमेरिका के दबाव में आने की बात सोचना भी संभव नहीं है, लेकिन भारत, मिस्त्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के लिए दिक्कतें बढ़ने वाली हैं।

नीति आयोग की मानव पूँजी से संबंधित क्रांति

राव इंद्रजीत सिंह द्वारा

भारत जैसे विशाल और वैविध्यैपूर्ण देश में प्रगति का वास्तसविक पैमाना केवल जीडीपी के आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे की उपलब्धियों में नहीं, बल्कि इस बात में निहित है कि वह देश अपनी जनता का कितने बेहतर ढंग से पोषण करता है। मानव पूँजी—हमारी शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और उत्पादकता— केवल एक आर्थिक संपत्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक अनिवार्यता भी है। पिछले दस वर्षों में, भारत के प्रमुख नीतिगत थिंक टैंक-नीति आयोग के नेतृत्व में एक शांत लेकिन प्रभावशाली क्रांति ने आकार लिया है, जिसने देश द्वारा अपने सबसे महत्वतपूर्ण संसाधन, यानी अपने नागरिकों, में निवेश करने के तरीके को नए आकार में ढाला है। एक ऐसे देश में जहाँ 65 प्रतिशत से ज़्यादा आबादी 35 साल से कम उम्र वाले लोगों की है, तो वह जनसांख्यिकीय लाभांश बेहद दुर्लभ अवसर प्रस्तुत करता है। लेकिन इस युवा आबादी का विशाल आकार अपने साथ एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी लेकर आता है। प्रमुख चुनौती इस युवा ऊर्जा को आर्थिक विकास और राष्ट्रीय विकास की शक्ति में रूपांतरित करना है। यहीं पर नीति आयोग एक दूरदर्शी उत्प्रेरक के रूप में उभरा है - जो न केवल आज की प्रगति, बल्कि भविष्य की समृद्धि का भी रोडमैप तैयार कर रहा है।

पिछले एक दशक में, नीति आयोग एक थिंक टैंक से एक सुधारवादी साधन और कार्यान्वयन भागीदार के रूप में विकसित हुआ है, जो आँकड़ों, सहयोग और मानव-केंद्रित डिज़ाइन द्वारा समर्थित साहसिक विचारों के लिए जाना जाता है। इसने नीति-निर्माण को एक शीर्ष-स्तरीय प्रक्रिया से राज्यों, निजी क्षेत्र, वैश्विक संस्थानों और सामाजिक संगठनों के साथ सह-निर्माण की गतिशील प्रक्रिया में बदल दिया है। इसकी ताकत केवल योजना बनाने में ही नहीं, बल्कि संज्ञान लेने और उन अवधारणाओं को अमली जामा पहनाने में भी निहित है। इसके मार्गदर्शन में मानव पूँजी की आधारशिला-शिक्षा की पूर्णतया नए सिरे से परिकल्परना की गई है। नीति आयोग ने इस बात को स्वीकार करते हुए कि केवल पहुँच ही पर्याप्त नहीं होती, गुणवत्ता और न्या यसंगतता पर ज़ोर दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, जहाँ नीति आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही, ने —रटंत शिक्षा से आलोचनात्मक चिंतन, लचीलेपन और व्यावसायिक एकीकरण का रुख करते हुए एक नए युग का सूत्रपात किया। इसने प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, मातृभाषा में शिक्षण और विषयों के बीच निर्बाध परिवर्तन पर ज़ोर दिया। इसने देश भर में मौजूद 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स में नवाचार को समाहित करते हुए अटल नवाचार मिशन जैसी पहलों के माध्यम से जवाबदेही और कल्पनाशीलता दोनों को सुनिश्चित किया। भारत के युवाओं को 21वीं सदी के लिए कुशल बनाना इसके मिशन का एक और आधार रहा है। कौशल भारत मिशन को समर्थन देने से लेकर आकांक्षी जिला कार्यक्रम के माध्यम से वंचित जिलों के महत्व पूर्ण भाग तक व्यावसायिक कार्यक्रमों की पहुँच सुनिश्चित करने तक, नीति आयोग ने कक्षा और करियर के बीच की खाई को पाटने में मदद की है। कौशल भारत मिशन के तहत, 1.5 करोड़ से ज़्यादा युवाओं को तकनीक, उद्योग संबंधों और माँग-आधारित पाठ्यक्रमों के सम्मिश्रण वाली पहलों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है। इसने महज प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ही प्रशिक्षण नहीं दिया—अपितु इसने क्षेत्रीय ज़रूरतों का आकलन किया और भारत के ग्रामीण और शहरी दोनों ही तरह के युवाओं के लिए वास्तविक आर्थिक संभावनाओं के द्वार खोलने वाले कार्यक्रम तैयार किए। इसके साथ ही साथ, इसने गतिशील, समावेशी श्रम बाज़ार का समर्थन किया। इसने 44 केंद्रीय श्रम कानूनों को—मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक संबंध और व्यावसायिक सुरक्षा से संबंधित चार सरलीकृत संहिताओं में युक्तिसंगत बनाने में सहायता प्रदान की।

यौन हिंसा पर सख्त कानून के बावजूद आखिर अपराधों में कमी क्यों नहीं आ रही ?

सुनील कुमार महला

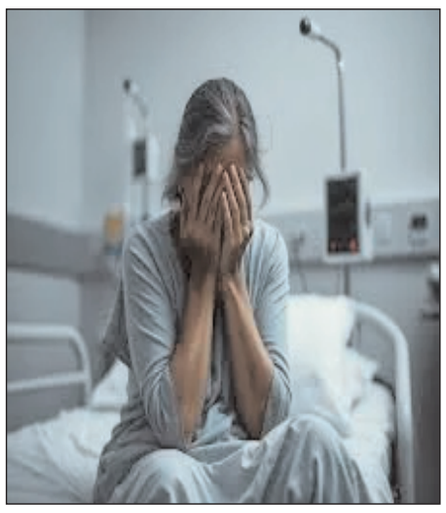

हाल ही में ओडिशा के बालेश्वर जिले के एक कॉलेज में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यौन उत्पीड़न से परेशान होकर बी.एड की एक छात्रा ने खुद को आग लगा ली थी और बाद में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना से पूरे राज्य में गुस्से और आक्रोश का माहौल है। यौन उत्पीडन की इस घटना के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय दल गठित कर दिया है, जो न केवल इसकी जांच करेगा बल्कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो, इसके लिए जरूरी सुझाव भी देगा। पुलिस ने इस मामले में महाविद्यालय के प्राचार्य और विभागाध्यक्ष को हिरासत में ले लिया है। बहरहाल, यह बहुत ही दुखद और शर्मनाक है कि, जिस देश में नारी को शक्ति मानकर उसकी पूजा की जाती रही है, उस देश में आए दिन यौन उत्पीड़न, महिलाओं पर अत्याचार,हिंसा, महिलाओं पर अनर्गल और अश्लील टिप्पणियां जैसे अनेक मामले सामने आते हैं। यह सब दर्शाता है कि देश में महिलाएं आज भी सुरक्षित नहीं हैं।ताज़ा मामला जो सामने आया है उसके अनुसार बीएड द्वितीय वर्ष की छात्रा ने अपने कालेज के विभागाध्यक्ष द्वारा यौन उत्पीड़न से त्रस्त होकर 12 जुलाई 2025 को खुद पर केरोसिन डालकर आत्मदाह कर लिया था। मीडिया में आई खबरों से पता चलता है कि छात्रा कॉलेज के एक प्रोफेसर(शिक्षक) से परेशान थी और उसने कई बार उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत की थी, लेकिन कॉलेज प्रशासन ने इस संदर्भ में कोई ठोस व पुख्ता कदम नहीं उठाये। जानकारी के अनुसार छात्रा लगभग 95त्न जल चुकी थी और उसे पहले बालेश्वर अस्पताल और फिर एम्स भुवनेश्वर रेफर किया गया था, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कॉलेज की आंतरिक शिकायत समिति ने इस मामले की जांच भी की थी। दरअसल , छात्रा ने प्रोफेसर के खिलाफ मानसिक और यौन उत्पीड़न की शिकायत की थी। यह भी जानकारी मिलती है कि प्रोफेसर छोटी-छोटी बातों पर छात्रों को क्लास से बाहर खड़ा कर देते थे।इसी प्रकार से एक बार वह छात्रा भी देर से आने पर क्लास से बाहर खड़ी कर दी गई थी, जिससे वह बहुत ही आहत हुई थी। मीडिया में आई खबरें बतातीं हैं कि प्रोफेसर ने छात्रा को सेमेस्टर परीक्षा देने से भी रोक दिया था और इसके अगले ही दिन छात्रा ने यौन उत्पीड़न की शिकायत की थी। शिकायत में बताया गया कि प्रोफेसर ने छात्रा से 'फेवर' मांगने की बात कही थी। जब छात्रा ने पूछा कि कैसा फेवर, तो प्रोफेसर ने कथित रूप से कहा, 'तुम बच्ची नहीं हो, समझ सकती हो मैं क्या चाहता हूं।' इस मामले में आईसीसी (आंतरिक शिकायत समिति) ने संबंधित प्रोफेसर को हटाने की सिफारिश भी की थी, लेकिन कॉलेज प्रशासन ने समय रहते इस संदर्भ में कोई भी कार्रवाई नहीं की और इसका असर यह हुआ कि पीड़ित छात्रा खुद को असहाय महसूस करने लगी और आखिरकार उसने आत्मदाह जैसा घातक कदम उठा लिया। इस घटना के बाद पूरे ओडिशा में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। कई छात्र संगठन और विपक्षी पार्टियां इस मुद्दे को लेकर सरकार से जवाब मांग रही हैं। कांग्रेस समेत अन्य सात विपक्षी दलों ने ने गुरुवार 17 जुलाई 2025 को पूरे राज्य में बंद का ऐलान भी किया, जिसका असर बाजार, स्कूल, कालेज पर देखने को मिला।

अब सवाल यह उठते हैं कि जब छात्रा ने शिकायत की थी, तो कार्रवाई में देरी क्यों हुई ? आईसीसी की सिफारिश के बावजूद आरोपी को क्यों नहीं हटाया गया? क्या कॉलेज प्रशासन छात्रा की जान बचा सकता था? कॉलेज की इस दुखद घटना ने न सिर्फ एक होनहार छात्रा की जान ले ली, बल्कि यह भी दिखा दिया कि यौन उत्पीड़न जैसे गंभीर मामलों में अगर समय पर कार्रवाई नहीं की जाए, तो इसका परिणाम कितना भयानक हो सकता है। अब सवाल यह भी उठता है कि क्या कॉलेज और प्रशासन इसकी जिम्मेदारी लेंगे या फिर यह मामला भी बाकी मामलों की तरह ठंडे बस्ते में चला जाएगा ? कितनी बड़ी बात है कि मीडिया में मामला उछलने और राजनेताओं की तल्ख प्रतिक्रिया के बाद प्राचार्य का निलंबन और आरोपी शिक्षक की गिरफ्तारी हो पायी है। जब पीड़ित छात्रा द्वारा कई प्लेटफॉर्म पर अपने यौन उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई गई थी तो दोषी शिक्षक के खिलाफ समय रहते कार्रवाई आखिर क्यों नहीं की गई? इसके पीछे कारण क्या रहे होंगे ? जानकारी मिलती है कि छात्रा ने पहले प्राचार्य और फिर कालेज इंटरनल कंप्लेंट कमेटी(आईसीसी) में भी शिकायत की थी। आरोप है कि कार्रवाई करने के बजाय छात्रा पर मामला रफा-दफा करने का दबाव बनाया गया। प्राचार्य को इस बात की चिंता थी कि मामला उजागर होने के बाद कॉलेज की बदनामी होगी। प्राचार्य को कॉलेज की बदनामी की चिंता थी, लेकिन छात्रा से कोई सरोकार नहीं, यह शर्मनाक है। सवाल यह है कि क्या महाविद्यालय की छवि, किसी छात्रा के जीवन से बढ़कर होती है ? पीड़िता ने इंसाफ के लिए हर उस दरवाजे पर दस्तक दी, जो उसे न्याय दिला सकता था, वह क्यों मौन साधे रहा? बताते यह भी हैं कि पीड़िता ने कई जन-प्रतिनिधियों से भी मामले की शिकायत की थी, लेकिन किसी ने भी उसकी एक न सुनी और छात्रा को आत्मदाह का विकल्प चुनने को मजबूर होना पड़ा।कॉलेज प्रशासन का इस मामले में गंभीरता और संवेदनशीलता नहीं दिखाना दर्शाता है कि कॉलेज प्रशासन को छात्र हितों से कोई सरोकार या वास्ता नहीं। ओडिशा में पिछले कुछ महीनों में यौन दुर्व्यवहार की कई घटनाएं प्रकाश में आ चुकी हैं। पाठकों को बताता चलूं कि कुछ समय पहले इसी साल एक इंस्टीट्यूट (वि.वि.) में पढ़ने वाली एक नेपाली छात्रा की मृत्यु हो गई थी। मृतका छात्रा नेपाल के बीरगंज की रहने वाली थी।उसका शव पंखे से लटका मिला। बालेश्वर वाली घटना के बारे में बताया जाता है कि छात्रा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स'(पहले ट्विटर)पर सार्वजनिक पोस्ट में न्याय की गुहार लगायी थी और चेताया था कि यदि मामले में कोई कार्रवाई नहीं होती है तो वह अपनी जान दे देगी, लेकिन उसकी इस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया गया। ऐसे में उस छात्रा की मन:स्थिति का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है कि चारों ओर से निराश होने के बाद ही उसे ऐसा आत्मघाती कदम उठाया। सच तो यह है कि आज हमारे समाज में पाश्चात्य संस्कृति इस कदर हावी हो चुकी है कि हमारे सनातन मूल्यों, हमारी संस्कृति, हमारे आदर्शों, प्रतिमानों को भुला चुके हैं और आज हमारा नैतिक पतन होता चला जा रहा है। आज गुरू रक्षक नहीं भक्षक बन रहे हैं,यह बहुत ही दुखद है। हमारे सनातन हिंदू धर्म में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान माना गया है, क्योंकि वे हमें अज्ञानता के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं।गुरु शब्द का अभिप्राय ही है-'अंधेरे से उजाले की ओर ले जाने वाला।' 'गिरति अज्ञानान्धकार मइति गुरु:' अर्थात् इसका मतलब यह है कि जो अपने सदुपदेशों के माध्यम से शिष्य के अज्ञानरूपी अंधकार को नष्ट कर देता है, वह गुरू है, लेकिन कितनी बड़ी बात है कि आज गुरूओं में नैतिक मर्यादा, समाज और कानून का भय नहीं रह गया है। यहां सवाल यह भी है कि यौन हिंसा के मामले में सख्त कानून बन जाने के बावजूद इस तरह के अपराधों में कमी क्यों नहीं आ रही है ? सवाल यह भी है कि आखिर हमारे समाज की व्यवस्थाएं कब तक सुधरेगी ? कहना ग़लत नहीं होगा कि यह घटना वास्तव में परेशान करने वाली है। सीधे-सीधे यह हमारी व्यवस्थाओं पर कई तरह के सवाल खड़े करती है। हैरानी की बात है कि पीड़िता की मदद की बजाय इस मामले में चुप्पी साधी गई ? पाठकों को बताता चलूं कि निर्भया कांड अधिनियम, जिसे आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 के रूप में भी जाना जाता है, 2012 के दिल्ली सामूहिक बलात्कार और हत्याकांड के बाद पारित किया गया था। यह अधिनियम, भारतीय दंड संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 में संशोधन करता है, विशेष रूप से यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों में। इसका उद्देश्य यौन अपराधों से संबंधित कानूनों को मजबूत करना और अपराधियों को कड़ी सजा देना है, लेकिन दुखद यह है कि इस अधिनियम के बावजूद भी पुलिस ने मामले में सक्रियता नहीं दिखाई। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज संस्थागत जिम्मेदारी और जवाबदेही भी निरंतर सवालों के घेरे में है।कोलकाता के आरजीकर मेडिकल हॉस्पिटल महिला चिकित्सक के साथ, तथा इसके बाद लॉ कॉलेज की एक छात्रा के साथ, दिल्ली में नौ वर्षीय छात्रा के साथ बलात्कार हुआ, लेकिन हमारे तंत्र ने इन घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया,यह बहुत ही दुखद व शर्मनाक है। वास्तव में, हमारे देश में महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न के आंकड़े बहुत ही चिंताजनक हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2021 में महिलाओं के खिलाफ 428,278 अपराध दर्ज किए गए थे, जो 2011 की तुलना में 87त्न की वृद्धि है। इनमें से अधिकांश मामले घरेलू हिंसा, अपहरण, बलात्कार, दहेज हत्या और हमले से संबंधित थे। महिला उत्पीड़न से जुड़े इतने मामलों में बलात्कार के मामले में दोष सिद्धि मात्र 2.6 फीसदी ही है। कानूनी सुधारों के बाद भी बलात्कार के मामलों में सजा कम ही हो पा रही है।बलात्कार की परिभाषा को और व्यापक बनाने के लिए उसमें 'नॉन-पेनिट्रेटिव एक्ट' को भी शामिल किया गया है।इसके अलावा फास्ट-ट्रैक अदालतें बनाई गई हैं और ऐसे अपराधों के लिए 16 साल से ऊपर के मुल्जिमों पर भी वयस्क की तरह मुकदमा चलाने का प्रावधान भी लाया गया है, लेकिन एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 2018 से 2022 के बीच बलात्कार के मामलों में दोष साबित होने की दर 27 से 28 प्रतिशत थी। आखिर महिलाओं के प्रति अपराध कब रूकेंगे और महिलाएं कब सुरक्षित होंगी। यौन उत्पीड़न व महिलाओं के खिलाफ अन्य अपराध वास्तव में तभी रूक सकते हैं,जब समाज में आमूलचूल बदलाव व जागरूकता आए।

पुलिस-प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती सकुशल कांवड़ यात्रा संपन्न करवाना

दीपक कुमार त्यागी

हर वर्ष की तरह ही इस बार भी पवित्र श्रावण मास में देवाधिदेव भगवान महादेव के करोड़ों शिव भक्त को शांतिपूर्ण व भक्तिमय वातावरण में सकुशल कांवड़ यात्रा करवाना एक चुनौती पूर्ण कार्य है। जिसको संपन्न करवाने के लिए उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान का पुलिस-प्रशासन दिन-रात एक करके अपने पूरे दल-बल के साथ धरातल पर व्यवस्था बनाने में जुटा हुआ है। पुलिस-प्रशासन को कांवड़ियों की संख्या में इस वर्ष भारी इज़ाफ़ होने की उम्मीद है। ऐसी स्थिति में विशेषकर उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के पुलिस-प्रशासन के ऊपर पर एक तरफ तो जहां कांवड़ियों की चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था करने कि अहम जिम्मेदारी है, वहीं दूसरी तरफ इन करोड़ों शिवभक्त कांवड़ियों के लिए समुचित व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी है, जिसमें दोनों राज्यों का शासन व पुलिस-प्रशासन दिन-रात जुटा हुआ है।

वैसे देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों से वर्ष दर वर्ष कांवड़ लाने वाले शिवभक्तों की संख्या में भारी इज़ाफ़ हुआ है। क्योंकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों पर पुलिस-प्रशासन के द्वारा जिस तरह से उत्तर प्रदेश में शिवभक्त कांवड़ियों का सेवाभाव के साथ पलक-पांवड़े बिछाकर के स्वागत किया जाता है और कांवड़ियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा ना हो इसका माइक्रो लेवल पर विशेष ध्यान रखा जाता है, इस स्थिति ने कांवड़ियों की संख्या में भारी इज़ाफ़ करने का कार्य कर दिया है। भारी-भीड़ की स्थिति में कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए एक फुलप्रूफ चाक-चौबंद व्यवस्था करना बेहद चुनौती पूर्ण कार्य बन गया है। कांवड़ यात्रा में विशेषकर के उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के पुलिस-प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लाखों शिवभक्त कांवड़ियों के बीच छिपे हुए चंद अराजकता फैलाने की मंशा रखने वाले हुड़दंगियों की आखिरकार वह कैसे पहचान करें। हालांकि उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के पुलिस-प्रशासन के पास भक्तों की इस तरह की भारी भीड़ को नियंत्रण करने व उनके लिए समुचित व्यवस्था करने का दशकों पुराना लंबा अनुभव है, जिस अनुभव के ही बलबूते पर ही इन दोनों राज्यों का सिस्टम हर वर्ष ऐसे मेलों में उत्पन्न विकट से विकट परिस्थितियों से भी आसानी से निपट लेता है।

लेकिन इस बार शुरूआती दिनों से ही कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ रही है, शुरू के दिनों की बात करें तो प्रशासन के द्वारा 10 जुलाई से हरिद्वार में जल लेकर अपने गंतव्य स्थल पर जाने वाले कांवड़ियों की गिनती शुरू की गई थी। प्रशासन के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 10 जुलाई से लेकर 15 जुलाई मंगलवार की शाम 6:00 बजे तक 80 लाख 90 हजार कांवड़िए गंगा जल लेकर के अपने गंतव्य की तरफ़ वापस चल दिए, कांवड़ियों की यह संख्या प्रतिदिन बहुत तेज़ी से बढ़ती जा रही है, वहीं साथ ही चंद हुड़दंगियों के द्वारा बवाल भी किया जाने लगा है। जिसके चलते ही उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश में शुरूआती दौर के दिनों में ही कांवड़ मार्ग के अधिकांश रास्तों को वन-वे तक करना पड़ गया है। हांलांकि इससे आम लोगों को काफ़ी असुविधा भी हो रही है। लेकिन पुलिस-प्रशासन क्या करें देश में जिस तरह का माहौल चल रहा है, उस स्थिति में कांवड़ियों की सुरक्षा की पूरी व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए यह एक बेहद आवश्यक कदम है। इसलिए ही गंगा से लेकर मंदिर व कांवड़ यात्रा मार्ग पर अब चप्पे-चप्पे पर होमगार्ड, ट्रैफ़िक पुलिस, पुलिस, पीएसी, आरएएफ़ एटीएस आदि का सख़्त पहरा नज़र आने लगा है। घाटों पर एनडीआरएफ़व गोताखोरों की टीम दल-बल के साथ तैनात हैं, कांवड़ यात्रा मार्ग पर जगह-जगह अग्निशमन विभाग के जांबाज भी तैनात हैं। वहीं पुलिस-प्रशासन के आला अधिकारी स्वयं पूरी टीम के साथ सड़कों पर उतरे हुए हैं और एक एक व्यवस्था को खुद परखने का कार्य कर रहे हैं।

क्योंकि इस बार शुरूआती दौर से ही कांवड़ यात्रा में उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों में हुए विवादों व तोड़फोड़ की कुछ घटनाओं ने पुलिस-प्रशासन को सोचने पर मज़बूर कर दिया है। क्योंकि इस बार विवाद के अधिकांश मामलों को बिना वजह की ही बात के बतंगड़ बनाकर के तूल देने के प्रयास किए गए, जिन्हें पुलिस-प्रशासन ने तत्काल ही समझदारी से सूझबूझ दिखाते हुए शांत करवाने का कार्य करते हुए, हुड़दंगियों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्यवाही करते हुए माहौल को सामान्य करने का कार्य बखूबी किया है। विवादों की इन चंद घटनाओं के चलते ही कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था में लगा हुआ पुलिस-प्रशासन का पूरा सिस्टम अचानक से हाई अलर्ट मोड पर चला गया है, सरकार व सिस्टम कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही व कोई भी चूक बिल्कुल भी नहीं चाहता है।

उदाहरणार्थ कांवड़ियों की सुरक्षा की बेहतर व्यवस्था बनाने के लिए सख़्ती का आलम यह हो गया है कि गाजियाबाद तक में भी 14 जुलाई से ही रास्ते वन-वे या बंद कर दिए है। हालांकि रास्ते वन-वे होने से क्षेत्र के आम लोगों को जबरदस्त असुविधा हो रही है। लेकिन अलग कांवड़ यात्रा मार्ग ना होने से पुलिस-प्रशासन के पास अन्य कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है। कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था को देखें तो इस बार उत्तराखंड में कांवड़ियों के जल भरने के सभी स्थान गोमुख, गंगोत्री, ऋषिकेश, हरिद्वार आदि से लेकर के उत्तर प्रदेश तक में भी पूरे कांवड़ यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों व चप्पे-चप्पे पर पुलिस व अर्द्ध सैनिक बलों के सुरक्षाकर्मियों का जाल बिछा दिया गया है, कंट्रोल रूम में बैठकर सुरक्षा विशेषज्ञ चप्पे-चप्पे पर निगरानी रख रहे हैं।

कांवड़ यात्रा में सुरक्षा व्यवस्था का आलम देंखे तो गाजियाबाद जनपद में ही, पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़, जिलाधिकारी दीपक मीणा, नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल व अन्य सभी आवश्यक विभागों के मुखिया अपनी पूरी टीम के साथ चौबीसों घंटे मुस्तैद खड़े हुए नज़र आते हैं। कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़ ने जनपद के करीब 80 किलोमीटर लंबे कांवड़ मार्ग को 124 बीटों में विभाजित कर अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने चार स्थाई कंट्रोल रूम, एक मुख्य कंट्रोल रूम, दो सब कंट्रोल रूम और आठ स्टैटिक कंट्रोल रूम बनाए हैं। कांवड़ मार्ग को 1657 सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखा गया है। 71 बैरियर लगाए गए हैं। 33 सार्वजनिक घोषणा प्रणाली बनाई गई है। 1560 पुलिस स्वयंसेवक व 10587 शांति समिति के सदस्य तैनात हैं।

पीआरवी एवं चीता मोबाइलों को कांवड़ मार्ग में और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर लगाया गया है। घाटों पर एनडीआरएफ की टीम तैनात की गयी हैं। दमकल की 12 गाड़ियां विभिन्न स्थानों पर तैनात हैं, कांवड़ यात्रा मार्ग पर लगें शिविरों की अनुमति देते समय ही आग से बचाव हेतु अग्निरोधी यंत्र, रेत की बाल्टी एवं पानी का ड्रम रखवाने के लिए शिविर आयोजकों को निर्देशित किया गया है। कांवड़ शिविरों में विद्युत सुरक्षा उपायों के किये जाने का निर्देश दिए गए हैं। कांवड़ मार्ग के निकट कोई नया बखेड़ा खड़ा ना हो इसके लिए मीट, मछली और अंडा आदि की दुकानों को बंद करवा दिया गया है। किसी प्रकार की कोई दुर्घटना ना घट जाये इसलिए कांवड़ की ऊंचाई 10 फुट एवं चौड़ाई 12 फुट तक रखने के निर्देश दिए गए है। डाक कांवड़ में मानकों के अनुसार म्यूजिक सिस्टम पर 75 डेसीबेल तक का ही शोर मान्य है। यहां आपको बता दें कि इसी तरह की चाक-चौबंद व्यवस्था उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के पूरे कांवड़ यात्रा मार्ग के सभी जनपदों में की गई है।

इतनी चाक-चौबंद व्यवस्था के बाद भी पुलिस-प्रशासन के सामने कांवड़ यात्रा मार्ग पर आने वाले दिनों किसी भी तरह से माहौल खराब करने वाले लोगों से निपटने की बड़ी चुनौती खड़ी है। यात्रा के दौरान कांवड़ छूने, कांवड़ के वाहनों से टकराने, छुटपुट बातों का बतंगड़ ना बने उससे निपटने की चुनौती है। वैसे भी पिछले कुछ वर्षों से देश में छोटे-बड़े की शर्म, भाईचारा और सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग का भाव दिन-प्रतिदिन तेज़ी से कम होता जा रहा है, कांवड़ यात्रा में इसका प्रभाव अब स्पष्ट रूप से नज़र आने लगा है, जिसके चलते ही अब बिना सिर-पैर के विवाद तक भी कांवड़ यात्रा में चंद हुड़दंगी पैदा करने लगे हैं। कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने को लेकर पुलिस-प्रशासन जबरदस्त ढंग से सक्रिय है। सुरक्षा के मद्देनजर नियमित रूप से डॉग स्कवायड, बम निरोधक दस्ता और लोकल इंटेलीजेंस की टीम के साथ पुलिस चेकिंग अभियान चलाते हुए, कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न करवाने में दिन-रात व्यस्त हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे आराध्य देवाधिदेव भगवान महादेव के आशीर्वाद से कांवड़ यात्रा दिव्य अलौकिक बन कर सकुशल संपन्न होगी।

सेहत का रिपोर्ट कार्ड हैं आपकी आंखें, गंभीर बीमारियों के शुरुआती लक्षणों की ऐसे करें पहचान

क्या आप जानती हैं कि शरीर में चल रही किसी भी गड़बड़ी का सीधा मैसेज आपकी आंखे देती हैं...आंखों का पीलापन, आंखों में सूजन या आंखों का लाल होना समेत कई ऐसे संकेत हैं, जिन्हें आपको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

हम सभी सेहतमंद रहना चाहते हैं और बीमारियों से दूर रहने की भरसक कोशिश करते हैं। लेकिन, फिर भी जिंदगी में किसी न किसी मोड़ पर किसी न किसी बीमारी से हमारा सामना हो जाता है। छोटे-मोटे इंफेक्शन या बीमारियां आमतौर पर कभी न कभी सभी को घेरती हैं और सही इलाज के साथ इन्हें आसानी से हराया जा सकता है। लेकिन, कई बार ऐसा होता है कि डॉक्टर के पास पहुंचने तक हमारी बीमारी बढ़ चुकी होती है और फिर इलाज में काफी मुश्किल आती है। असल में ऐसा बीमारी के शुरुआत लक्षणों को पहचान न पाने के कारण होता है। हमारी स्किन, आंखे, पसीना, पेशाब और पॉटी में नजर आ रहे संकेत शरीर में चल रही गड़बड़ी का इशारा करते हैं और अगर हम उन्हें सही समय पर पहचान लें, तो आने वाली वक्त की बड़ी मुश्किल से बचा जा सकता है। आंखों का पीलापन, आंखों में सूजन या आंखों का लाल होना समेत कई ऐसे संकेत हैं, जिन्हें आपको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इन संकेतों के बारे में एक्सपर्ट से समझते हैं।

अगर आपकी आंखे अक्सर ड्राई हो जाती है, आपकी अक्सर आंखों में रूखापन महसूस होता है, तो यह शरीर में विटामिन-ए की कमी का संकेत हो सकता है।

आंखों के नीचे सूजन महसूस होना या सुबह उठकर अगर आपको आंखे सूजी हुई लगती हैं, तो यह थायराइड के कारण हो सकता है।

आंखों के पीलेपन को आपको बिल्कुल नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह आमतौर पर लिवर से जुड़ी बीमारी जैसे पीलिया का संकेत हो सकता है।

आंखों में लालिमा आमतौर पर बीपी के बढ़े होने यानी हाइपरटेंशन का संकेत होना चाहिए। अगर आपकी आंखे लाल हो रही हैं, तो बीपी की जांच जरूर करवाएं।

जिन लोगों की आंखों के नीचे काले घेरे नजर आएं, उनके शरीर में खून की कमी हो सकती है। एनीमिया की स्थिति में आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स हो जाते हैं।

धुंधला नजर आना डायबिटीज का एक शुरुआती लक्षण हो सकता है। ऐसा महसूस होने पर डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

आंखों में खुजली या जलन आमतौर पर किसी एलर्जी की वजह से होती है। अगर आपकी आंख बार-बार फड़क रही है, तो यह शरीर में मैग्नीशियम की कमी का संकेत हो सकता है।

रात में दिखाई देने में मुश्किल होना शरीर में विटामिन-ए की कमी का संकेत है।

आंखों में नजर आ रहे इन संकेतों के जरिए आप आसानी से शरीर में चल रही गड़बड़ी को पहचान सकती हैं।

क्या आप हाथ-पैरों में झुनझुनी या सुन्नपन से परेशान हैं और उन्हें हिलाने-डुलाने में असहजता होती है? आपको पता है कि अक्सर परेशान करने वाली यह समस्या, सिर्फ गलत तरीके से बैठने या लेटने से नहीं होती है, बल्कि शरीर में किसी खास पोषक तत्वों की कमी का संकेत हो सकता है।

क्या आपको पता है कि हाथ और पैरों में झुनझुनी क्यों होती है?

क्या आपके हाथ और पैरों में कभी झुनझुनी या सुइयां चुभने जैसा एहसास होता है? ऐसा लगता है जैसे आपका हाथ या पैर सो गया हो। कई बार ऐसा तब हो सकता है, जब आप लंबे समय तक एक ही पोजीशन में बैठे या लेटे हों। लेकिन, अगर आपको यह एहसास बार-बार या नॉर्मल से ज्यादा महसूस होता है, तो ऐसा किसी गंभीर बीमारी के कारण भी हो सकता है। क्या आप जानती हैं कि ऐसा शरीर में विटामिन्स की कमी से भी होता है। आइए जानते हैं कि कौन से विटामिन्स की कमी से हाथों और पैरों में झुनझुनी या सुन्नपन होता है।

हाथ और पैरों में झुनझुनी क्यों होती है?

हाथ और पैरों में होने वाली झुनझुनी को डॉक्टरी भाषा में पैरेस्थीसिया कहते हैं। यह किसी भी ऐसी असामान्य सनसनी के लिए इस्तेमाल होने वाला मेडिकल शब्द है, जो तब होती है जब आपकी नसें दब जाती हैं या डैमेज हो जाती हैं। इसमें दर्द भी हो सकता है जैसे कि जलन या चुभन या यह सिर्फ सुन्नपन जैसा महसूस हो सकता है। पैरेस्थीसिया की समस्या परमानेंट नहीं होती है और अपने आप ठीक भी हो जाती है। जैसा कि हम आपको बता चुके हैं कि ऐसा तब होता है, जब नस किसी कारण से दबने लगती है, जैसे कि जब आप ज्यादा देर तक एक ही पोजीशन में लेटे या बैठे रहते हैं। लेकिन, यदि यह समस्या बार-बार होती रहती है या ज्यादा बार होने लगती है, तो यह लंबे समय तक रहने वाली पैरेस्थीसिया का लक्षण हो सकता है।

पैरेस्थीसिया के कारण

- पेरेस्थीसिया की समस्या नसों में किसी गड़बड़ी का संकेत हो सकती है।
- नर्वस सिस्टम संबंधी समस्याएं जैसे कि गिलियन-बैरे सिंड्रोम या रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्याएं।
- इंफेक्शन, जैसे HIV, हर्पीस या कैम्पिलोबैक्टर जेजुनी।
- चोट या ट्रॉमा, जिससे आस-पास की नसें डैमेज हो जाती हैं।
- डायबिटीज, जिसमें हाई ब्लड शुगर के कारण पेरिफेरल न्यूरोपैथी की समस्या हो सकती है।
- हाथ-पैरों में झुनझुनी किस विटामिन और मिनरल्स की कमी से होती है?

हाथों और पैरों में झुनझुनी पैदा करने वाली विटामिन की कमी कई कारणों से हो सकती है। कुछ महिलाओं को अपने भोजन से पर्याप्त विटामिन नहीं मिल पाता है। वहीं, कुछ महिलाओं की आंतें किसी खास विटामिन को ठीक से सोख नहीं पाती हैं। ज्यादातर महिलाओं में विटामिन बी कॉम्प्लेक्स की कमी इन लक्षणों का कारण बनती है।

विटामिन- बी6

इसमें विटामिन- बी6 की अहम भूमिका होती है, क्योंकि बी6 की बहुत ज्यादा या बहुत कम दोनों ही मात्रा पैरेस्थीसिया का कारण बन सकती हैं। आमतौर पर झुनझुनी आपके पैरों से शुरू होती है और फिर पैरों से ऊपर की ओर बढ़ती हुई आपके हाथों तक पहुंच जाती है। इससे कुछ महिलाओं को जलन की शिकायत भी होती है। शिशुओं में, B6 की कमी से मिर्गी के दौरे भी पड़ सकते हैं।

विटामिन-बी6 की कमी के कारण

विटामिन-बी6 का कम सेवन और कुपोषण। यह ज्यादा अल्कोहल लेने वालों में आम होती है। इसके अलावा, ऐसी महिलाओं में भी होती है, जो डायलिसिस पर हैं। विटामिन-बी6 की कमी का इलाज सप्लीमेंट्स से किया जाता है। इसके लेवल के ठीक होने से लक्षणों में भी सुधार होने लगता है।

विटामिन-बी12

विटामिन-बी 6 की तरह बी12 के कम लेवल से हाथों और पैरों दोनों में एक ही समय में झुनझुनी हो सकती है। साथ ही, आपको कमजोरी और देखने में परेशानी जैसी अन्य न्यूरोलॉजिकल नर्वस सिस्टम संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं। बी12 नए ब्लड सेल्स बनाने के लिए भी जरूरी है, इसके कम लेवल से एनीमिया की समस्या (ब्लड की कमी) हो सकती है। इससे आपको कमजोरी और थकान भी महसूस हो सकती है। विटामिन-बी12 मांसाहारी फूड्स जैसे लिवर, अंडे, चिकन में पाया जाता है।

बायोटिन

बायोटिन, जो कि एक तरह का विटामिन-बी है। यह हेल्थ को बनाए रखने में जरूरी भूमिका निभाता है। बायोटिन की कमी से हाथों और पैरों में झुनझुनी के अलावा कई और लक्षण हो सकते हैं, जिनमें बालों का पतला होना और बालों का झड़ना, त्वचा पर दाने और इंफेक्शन आदि शामिल हैं। साथ ही, ज्यादा गंभीर होने पर दौरे भी पड़ सकते हैं।

सोते समय हाथ और पैरों में झुनझुनी किस विटामिन की कमी से होती है?

अगर आप उठते हैं और पाती हैं कि आपके हाथ या पैर सुन्न हैं या उनमें झुनझुनी हो रही है, तो इसका मतलब यह हो सकता है कि आप ऐसी पोजीशन में सोए थे, जिससे नस दब गई थी। यह किसी विटामिन या मिनरल की कमी का पहला संकेत भी हो सकता है। ऊपर बताई गई कोई भी कमी, जो आपको दिन के समय झुनझुनी का अनुभव कराती है, वह सोते समय भी हो सकती है। लेकिन, आपको विटामिन की कमी से होने वाली झुनझुनी का एहसास सुबह उठते ही ज्यादा होता है, इससे पहले कि आप दिन भर की एक्टिविटी में बिजी हो जाएं। अगर यह झुनझुनी दूर नहीं हो रही है और इससे आप लंबे समय से परेशान हैं, तो आपको डॉक्टर से बात करनी चाहिए ताकि आपको पता लगे कि आपमें पोषण संबंधी कमी तो नहीं है। ऐसा किसी गंभीर बीमारी की वजह से भी हो सकता है।

शरीर में चल रही गड़बड़ी का सीधा मैसेज देती है हमारी स्किन

क्या आपको पता है कि हमारी त्वचा, शरीर में पनप रही कई बीमारियों का रिपोर्ट कार्ड होती है। स्किन पर नजर आ रहे संकेतों से आप कई हेल्थ कंडीशन्स और न्यूट्रिशन्स की कमी की पहचान कर सकती हैं।

एक्सपर्ट का कहना है कि आपकी स्किन, शरीर में चल रही गड़बड़ का रिपोर्ट कार्ड होती है। त्वचा पर एक्ने होना, स्किन का ड्राई होना या पीला होना समेत कई ऐसी चीजें हैं, जो आपकी सेहत के बारे में आपकी कुछ कहती हैं और इन संकेतों को आपको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। आपकी स्किन किस तरह शरीर का आईना होती है।

- स्कन पर एक्ने आना, अचानक से रूखा होना या डार्क पैचेज आना सिर्फ स्किन से जुड़ी दिक्कतें नहीं हैं। इनका आपकी हेल्थ से भी सीधा रिश्ता है।
- अगर आपको एक्ने हो रहे हैं, खासकर जॉ लाइन के पास एक्ने अधिक होने लगे हैं, तो हाई एंड्रोजन्स का संकेत है।
- अगर स्किन रूखी हो रही है, तो मुमकिन है कि थायराइड फंक्शन कमजोर है। आपको हाइपोथायराइड की शिकायत हो सकती है।
- आंखों का या चेहरे या पीला नजर आना, लिवर के सही से काम न करने का संकेत हो सकता है। इसे बिल्कुल नजरअंदाज न करें।
- अगर आपकी बगल की त्वचा का रंग बहुत अधिक गहरा हो रहा है, तो यह इंसुलिन रेजिस्टेंस की वजह से हो सकता है। आपको ब्लड शुगर लेवल का ध्यान रखना चाहिए।
- स्किन पर लाल चकत्ते पढ़ना, एग्जिमा के कारण हो सकता है। अगर अचानक से आपकी स्किन पर झुर्रियां नजर आ रही हैं, तो यह शरीर में कोलेजन की कमी की वजह से हो सकता है।
- आंखों के आस-पास पीले रंग के धब्बे या उभार, शरीर में कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने का संकेत हो सकता है।
- अगर आपकी आंखों के नीचे सूजन है, तो यह किडनी की दिक्कत या वॉटर रिटेंशन की वजह से हो सकता है।
- स्किन पर नजर आने वाले स्ट्रेच मार्क्स की वजह हार्मोनल इंबैलेंस हो सकती है। खासकर, कोर्टिसोल के बढ़ने पर ऐसा होता है।

जब भी हम एक हेल्दी लाइफस्टाइल की तरफ बढ़ते हैं तो मॉर्निंग रूटीन में डिटॉक्स ड्रिंक को जरूर शामिल करते हैं। डिटॉक्स ड्रिंक में हम जीरे के पानी से लेकर अजवाइन के पानी का सेवन करते हैं। ये दोनों ही ऐसे डिटॉक्स ड्रिंक हैं, जो हेल्थ के लिए काफी अच्छे माने जाते हैं। इन ड्रिंक्स से ना केवल वजन कम करने में मदद मिलती है, बल्कि ये पाचन को भी बेहतर बनाते हैं। अब सवाल यह उठता है कि इन दोनों में से किस ड्रिंक को डेली रूटीन का हिस्सा बनाया जाए।

जीरा या अजवाइन, खाली पेट किस पानी का सेवन करें?

अधिकतर लोग इस बात को लेकर काफी कन्फ्यूज रहते हैं कि उन्हें सुबह उठकर खाली पेट जीरे का पानी पीना चाहिए या फिर अजवाइन का पानी। यूं तो दोनों ही डिटॉक्स ड्रिंक सेहत के लिए लाभकारी हैं, लेकिन आपके लिए कौन सा अच्छा रहेगा, यह आपकी बॉडी और हेल्थ गोल्स पर निर्भर करेगा।

जीरे के पानी के फायदे

- यह पाचन में मदद करता है। जीरे का पानी एंज़ाइम्स और बाइल जूस को एक्टिव करता है, जिससे गैस व एसिडिटी की शिकायत कम होती है।
- जीरे का पानी मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है, जिससे वज़न कम करने में मदद मिलती है। साथ ही साथ, यह फैट ब्रेकडाउन में भी हेल्प करता है।
- जीरे का पानी शुगर कंट्रोल करता है और इंसुलिन सेंसिटिविटी को भी बेहतर बनाता है।
- अगर आपको पीसीओडी या थायरॉइड की समस्या है तो जीरे का पानी पीना काफी फायदेमंद है।
- जीरे का पानी आयरन से भरपूर होता है। यही वजह है कि महिलाओं के लिए जीरे का पानी खासा फायदेमंद माना गया है।

अजवाइन पानी के फायदे

- अजवाइन का पानी भी सेहत के लिए बहुत अधिक फायदेमंद है।
- अगर आपको अक्सर गैस व एसिडिटी की शिकायत रहती है तो ऐसे में अजवाइन के पानी से फायदा मिलता है। यह पेट की हवा को बाहर निकालने के साथ-साथ ब्लोटिंग कम करता है और तुरंत आराम देता है।
- अजवाइन का पानी बैड बैक्टीरिया से लड़ता है और टॉक्सिन्स हटाता है।

- अजवाइन का पानी पीरियड्स के दौरान होने वाल क्रैम्प्स और दर्द से आराम पहुंचाता है।
- यह पेट के कीड़े और वर्म्स को हटाता है, जिससे बॉडी लाइट डिटॉक्स होती है।

किसका करें सेवन

जीरा पानी और अजवाइन पानी दोनों ही सेहत के लिए काफी अच्छे है। आप अपने हेल्थ गोल्स के अनुसार इसका सेवन कर सकते हैं। मसलन- अगर आपको गैस, अपच या ब्लोटिंग की शिकायत है या फिर आपको वज़न कम करना हो या अगर आप पीसीओडी, थायरॉइड या अनियमित पीरियड्स की प्रॉब्लम से जूझ रही हैं तो ऐसे में जीरे के पानी का सेवन करें। वहीं, एसिडिटी, कब्ज़ या पेट में भारीपन लगने पर या फिर बार-बार गैस या पेट दर्द की समस्या होने पर अजवाइन का पानी लिया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

युवा कांग्रेस के नेतृत्व में चक्काजाम, खाद की किल्लत से नाराज किसानों का फूटा गुस्सा

छुरिया। क्षेत्र की सहकारी समितियों में लंबे समय से खाद की अनुपलब्धता को लेकर किसानों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। इसी के चलते खुज्जी विधानसभा के पूर्व युवक कांग्रेस अध्यक्ष राजीव गुप्ता के नेतृत्व में गुरुवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोरदार चक्काजाम कर दिया गया। आक्रोशित किसानों ने बेरीकेट तोड़ते हुए बापूटोला मोड़ पर करीब दो घंटे तक सड़क को पूरी तरह से जाम कर दिया। ब्लॉक की अधिकांश सेवा सहकारी समितियों में बीते दो माह से डीएपी और यूरिया खाद की भारी किल्लत बनी हुई है। इस दौरान बुवाई और रोपाई कार्य अंतिम चरण में है, लेकिन खाद न मिलने से किसान बेहद परेशान हैं। पूर्व में कृषि अधिकारियों को ज्ञापन सौंपने के बावजूद जब कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो किसानों ने आंदोलन का रुख अपनाया। युवक कांग्रेस और किसानों ने चिचोला-छुरिया मार्ग पर स्थित बापूटोला पुलिया के पास विरोध प्रदर्शन करते हुए बैरिकेडिंग तोड़ दी। मौके पर एसडीओपी डोंगरगढ़ आशीष कुंजाम, थाना प्रभारी छुरिया संतोष भूआर्य, चिचोला टीआई कृष्णा पाटले, मोहारा टीआई ढालसिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। आधे घंटे तक पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प होती रही। लगभग दो घंटे तक चिचोला-छुरिया मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से ठप रहा। अंततः प्रशासन के हस्तक्षेप और समझाइश के बाद प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन तहसीलदार विजय कोठारी को सौंपा, जिसमें खाद की शीघ्र उपलब्धता की मांग की गई। अनुविभागीय कृषि अधिकारी एसएल देशलहरे और वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी जीपी सहाड़े ने प्रदर्शनकारियों को भरोसा दिलाया कि चार दिनों के भीतर लगभग 400 मीट्रिक टन डीएपी और यूरिया खाद विभिन्न समितियों में उपलब्ध करवा दिया जाएगा। आश्वासन के बाद धरना प्रदर्शन समाप्त किया गया। इस प्रदर्शन में राजीव गुप्ता, शेखर मंडलोई, मदन नेताम, अनिल बाघमारे, छबि यादव, दीनू साहू, राजेन्द्र कतलाम, सुरेश शोरी, रोहित साहू, हौसी साहू, हेमंत सिन्हा, जितेन्द्र मंडावी, तिलक मंडावी, दीपक निषाद, विनोद मंडावी, धिरेन्द्र तिवारी, गोदावरी, बुधारू मंडावी सहित बड़ी संख्या में युवक कांग्रेस कार्यकर्ता और किसान उपस्थित रहे।

शहरीय शहरीय श्रेत्र में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए विशेष कार्य योजना

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन) – कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देशानुसार ,स्छरू सारंगढ़ प्रखर चंद्राकर ,स्छरूडॉ वर्षा बंसल के सहयोग से डॉ एफ आर निराला ष्टरूाह्र के देखरेख में रोशन सचदेवा के साथ एक कार्ययोजना बनाया गया है जिसमे दिनांक 19 जून को जिले के शहरीय श्रेत्र एवं कुछ चुनिंदा गांव में आयुष्मान कार्ड बनाते जाने का निर्णय लिया गया है जिसमे बच्चे ,जवान सियान जिनका आयुष्मान कार्ड अभी तक नहीं बनाया गया है उनका कार्ड बनाया गया है इसकी कार्य योजना के लिए एक ऑनलाइन मीटिंग ह्लष्ट हेल्थ एवं स्छरू सारंगढ़ प्रखर चंद्राकर के द्वारा लिया गया जिसमे सभी संबंधित अधिकारी की निर्देशित किया गया कि सभी वंचितों का कल कार्ड बनाया जाएगा याद रहे जिले में अभी तक 669724 के विरुद्ध 604909 अर्थात 90 दशमलव 3 प्रतिशत का आयुष्मान कार्ड बनाया जा चुका है कुछ लोगों का कार्ड बनाया जाना बचा है कल जिले में विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है शिविर निम्न स्थानों पर आयोजित होगी बरमकेला ब्लॉक से बरमकेला शहरीय , गोबरसिंघा झिकीपाली ,घोघरा ,सरिया शहरीय ,कपड़तुंगा ,बिलाईगढ़ विकासखंड के सरसीवां शहरीय ,भटगांव शहरीय ,बिलाईगढ़ शहरीय ,पवनी शहरीय ,ग्राम छूहिआ ,नगरदा ,गिरसा , गगोरी ,सारंगढ़ ब्लॉक के शहरीय में अभियान चलेगी ,सभी सीएमओ अपने क्षेत्रों में मुनादी कराएंगे ,स्वच्छता वाहन के माध्यम से चबूतरा या सामुदायिक भवन/ रंगमंच में बैठक व्यवस्था ग्रामीण में पंचायत भवन रहेगी आंगनवाड़ी एवं स्कूल के बच्चे जिनका अभी तक आयुष्मान कार्ड नहीं बना है उनको भी बनाया जाएगा संबंधित शिक्षक ,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उन बच्चों के आधार कार्ड ,राशन कार्ड के साथ उपस्थित करा सकते है आधार अपडेशन के लिए आधार ऑपरेटर भी उपलब्ध रहेगी जिनका आधार अपडेट नहीं हुआ है वे अपना आधार अपडेट करा सकते है

कलेक्टर ने सरायपाली विकासखण्ड अंतर्गत छुईपाली व सिंघोड़ा में छात्रावास, आंगनबाड़ी केन्द्र एवं स्वास्थ्य केन्द्र का किया औचक निरीक्षण

विभागीय गतिविधियों का लिया जायजा

कलेक्टर का मैदानी क्षेत्रों में लगातार सघन दौरा जारी

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह द्वारा जमीनी स्तर पर विभागीय कार्यों की क्रियान्वयन का जायजा लेने लगातार दूरस्थ ग्रामों में दौरा किया जा रहा हैं। इसी क्रम में आज सरायपाली विकासखण्ड का औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक कार्यों की जमीनी हकीकत की जांच की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री एस. आलोक, एसडीएम श्रीमती नम्रता चौबे एवं मैदानी अमला मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान सरायपाली एफसीआई गोदाम, कलेण्डा (छिबर्रा) पहुंचकर उन्होंने धान भंडारण केन्द्र का निरीक्षण किया और बारिश के मौसम को देखते हुए तिरपाल की व्यवस्था, ड्रेनेज सिस्टम तथा भंडारण सुरक्षा पर समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सुरक्षा

उपायों को समय पर पूर्ण करते हुए धान की गुणवत्ता को सुरक्षित रखा जाए।

इसके पश्चात कलेक्टर ग्राम छुईपाली स्थित बालिका छात्रावास पहुँचे। यहां छात्रावास में रह रही बालिकाओं से बातचीत कर उन्होंने पोषण, शिक्षण सामग्री, स्वास्थ्य सेवाएं एवं सुरक्षा से संबंधित सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने छात्रावास प्रबंधन को इन सुविधाओं की सतत निगरानी एवं गुणवत्ता में सुधार के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत सिघोडा में कलेक्टर श्री लंगेह ने आंगनबाड़ी केन्द्र, पीएम श्री स्कूल और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। आंगनबाड़ी केंद्र में उन्होंने बच्चों की उपस्थिति, टीकाकरण की स्थिति, पोषण आहार की उपलब्धता, स्वच्छता आदि की जानकारी ली। उपस्थित सहायिका एवं कार्यकर्ताओं को नियमित रूप से बच्चों के हित में कार्य करने के निर्देश दिए।

पीएम श्री स्कूल सिंघोड़ा के निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षकों की उपस्थिति एवं विद्यार्थियों की गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सतत निगरानी की जाए एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया जाए। तत्पश्चात कलेक्टर ने सिंघोड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही उपस्थित चिकित्सकों को मौसमी बीमारियों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए सावधानी बरतने, दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए।

नवोदय प्रवेश पंजीयन की रफ्तार बढ़ाने डोंगरगढ़ नवोदय द्वारा शिक्षा अधिकारियों से समन्वय, अंतिम तिथि 29 जुलाई

डोंगरगढ़ (समय दर्शन)। नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ द्वारा आगामी कक्षा 6वीं प्रवेश परीक्षा 2025 के लिए पंजीयन प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य से व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। विद्यालय प्रशासन विकासखंड स्तर पर शिक्षा अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर पात्र छात्र-छात्राओं को इस सुनहरे अवसर का लाभ दिलाने जुटा है। 17 जुलाई को प्राचार्य संजय कुमार मंडल व शिक्षक स्नेह अग्रवाल ने विभिन्न विकासखंड शिक्षा अधिकारियों से सौजन्य भेंट कर पंजीयन की प्रगति की समीक्षा की एवं गति लाने का अनुरोध किया।

डोंगरगांव विकासखंड के शिक्षा अधिकारी एवं अंबागढ़ चौकी के बीईओ श्री धीवर ने नवोदय टीम को भरोसा दिलाया कि समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के सहयोग से हर वर्ष की तरह इस बार भी डोंगरगढ़ नवोदय अग्रणी रहेगा। मानपुर विकासखंड के सहायक शिक्षा अधिकारी अरुण मरकाम से चर्चा कर खड़गांव व आंधी जैसे दुर्गम

क्षेत्रों के छात्रों को नवोदय प्रवेश पंजीयन की जानकारी दी गई। उन्हें ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया भी समझाई गई, ताकि तकनीकी बाधा उनकी राह में न आए।

मोहला विकासखंड के शिक्षा अधिकारी राजेंद्र देवांगन ने नवोदय टीम को आश्वस्त किया कि योग्य छात्र-छात्राएं एक भी वंचित नहीं रहेंगे। उन्होंने विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए पंजीयन कार्य में पूर्ण सहयोग देने की बात कही।

प्राचार्य श्री मंडल ने जानकारी दी कि नवोदय विद्यालय एक पूर्णतः आवासीय एवं निःशुल्क शैक्षणिक संस्था है। यहां चयनित विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ आवास, भोजन, पुस्तकें, खेलकूद सहित समस्त सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। पंजीयन अभियान को सफल बनाने में राजनांदगांव नवोदय पूर्व विद्यार्थी संघ का सहयोग भी लिया जा रहा है। संघ के अध्यक्ष सुधीर गोलछा, भीष्म ठाकुर, डॉ. आलोक कलचुरी, टिकेश्वर नेताम सहित अनेक पूर्व छात्रों ने विद्यालय आकर पंजीयन में सहयोग का भरोसा दिलाया है।

प्रवेश पंजीयन की अंतिम तिथि 29 जुलाई है। विद्यालय प्रबंधन ने सभी अभिभावकों, शिक्षकों एवं शिक्षा अधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे इस अभियान को जन आंदोलन बनाएं, ताकि हर पात्र बच्चा नवोदय परिवार का हिस्सा बन सके।

युवा कांग्रेस भिलाई के नेतृत्व में परिवर्तन निर्देशालय का पुतला दहन

भिलाई (समय दर्शन)। युवा कांग्रेस भिलाई के नेतृत्व में परिवर्तन निर्देशालय का पुतला दहन किया गया !

लगातार भाजपा सरकार के दबाव में ईडी लगातार विपक्ष की आवाज को दबाने का कार्य कर रही है यह छत्तीसगढ़ को बदलापुर बनाने की ओर अग्रसर है कभी देवेंद्र यादव के जन्मदिन पर ईडी भेजते है कभी भूपेश बघेल जी के जन्मदिन पर ईडी भेजते है। आज चेतन्य बघेल के जन्मदिन पर भेपेश बघेल जी के यहाँ ई डी आती है भाजपा सिर्फ बदलापुर की राजनीति कर रही है ।परन्तु ये विपक्ष की आवाज़ नहीं जनता की आवाज़ है युवा कांग्रेस के दिलो में आग है जितना भाजपा सरकार दबाने का कार्य करेगी उतने दुगनी रफ़्तार से युवा

कांग्रेस जनता की आवाज़ को तेज करने का काम करेगी !

युवा कांग्रेस ने ये चेतावनी दी है की जल्द से जल्द ये ई डी की दुरुपयोग करना बंद करे नहीं तो जल्द युवा कांग्रेस मुख्यमंत्री व गृह मंत्री के निवास का घेराव किया जायेगा ! जिसमे मुख्यरूप से जिला अध्यक्ष विभोर दुरगकर ,भिलाई नगर अध्यक्ष अर्जुन शर्मा ,वैशाली नगर अध्यक्ष पलाश लिमेष ,प्रदेश सचिव सीखा रॉय ,जिला उपाध्यक्ष सोएब ,जिला महासचिव सतनाम ,भाष्कर ,अमन सेठिया ,अमन सोनी ,भारत राव ,अफ़ज़ल ,आर्यन ,सद्दाम ,दीपक पाटले ,कबीर खान ,हैदर,शुभम वर्मा ,नितिन ,आकाश ,नविन अग्रवाल ,जय शर्मा ,लक्षित ,गजेंद्र ,सागर ,पिंटू ,आदि सेकड़ो की संख्या में उपस्थित थे ।

स्वच्छता की यह तस्वीर

बिलासपुर (समय दर्शन)। बिलासपुर शहर के लिए गौरव का विषय है की स्वच्छता के तहत उसे दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। सरकारी नया कंपोजिट भवन के शौचालय पुरुष जो भूतल पर स्थित है कि यह फोटो 17 जुलाई 12:00 बजे की है। कमोबेश हर सरकारी दफ्तर में प्रसाधन की यही हालत है। हमें समझ ही नहीं आता की स्वच्छता के सर्वे के लिए जो दल आते हैं वे निरीक्षण के लिए क्या प्रायोजित स्थान का चयन करते हैं। नए कंपोजिट भवन में एक दर्जन से अधिक सरकारी दफ्तर कार्यरत है। संयुक्त संचालक स्तर के कई अधिकारी यहां अपने दैनिक कामकाज को पूरा करते हैं। क्या उसमें से किसी को दिन में एक बार भी यहां आने की जरूरत नहीं पड़ती। वाश बेसिन में बेसिन के अतिरिक्त कुछ नहीं बचा, यूरिनल की भी यही स्थिति है। कुछ लोगों का कहना है कि महिला प्रसाधन की स्थिति पुरुष प्रसाधन से अच्छी है। कारण उसमें ताला लगा है चाबी की एक महिला कर्मचारी के पास है, जिसे जरूर पढ़ने पर मांगा जाता है और उपयोग पश्चात वापस करना पड़ता है।

जुडो में बाल संस्कार शिशु मंदिर बरगा के विद्यार्थियों का राज्य स्तरीय चयन

साजा (समय दर्शन)। संत श्री आशाराम जी बापू की पावन प्रेरणा से संचालित बाल संस्कार शिशु मंदिर बरगा (संकुल - हाटरांका, विकासखंड - साजा, जिला - बेमेतरा) के विद्यार्थियों ने शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता अंडर-14 जुडो में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य स्तर के लिए अपना चयन सुनिश्चित किया है। दिनांक 13 जुलाई को शंकराचार्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बीजा में आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में चयन के बाद 17 जुलाई (गुरुवार) को शासकीय जनता उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गांधी चौक, भिलाई में आयोजित क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता में इन विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के आधार पर चार छात्र राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए जिसमें कान्हा साहू

कक्षा 8वीं, हेमंत निर्मलकर कक्षा 7वीं, नैतिक वर्मा कक्षा 7वीं और मोहन निषाद कक्षा 7वीं सम्मिलित हैं।इस उपलब्धि में विद्यालय की खेल शिक्षिका तिलेश्वरी साहू का विशेष योगदान रहा, जिनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने यह उपलब्धि अर्जित की। संस्था प्रमुख डॉ. रेवाराम पाल ने बताया कि शिक्षा के साथ-साथ खेल, व्यायाम एवं स्वास्थ्य का संतुलन विद्यार्थियों के समग्र विकास में अत्यंत आवश्यक है। खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप विद्यालय में खेल को एक विषय के रूप में समाहित कर नियमित अभ्यास कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह शिक्षण संस्थान सभी विद्यार्थियों को समान अवसर देकर उनके कौशल को निखारने का निरंतर प्रयास करता है। राज्य स्तरीय चयनित प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उन्होंने शुभकामनाएं दीं।

पालक समिति के अध्यक्ष श्री श्रवण कुमार साहू ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता संपूर्ण अंचल के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का यह प्रयास ग्रामीण प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पटल पर लाने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

बिजली के दामों में वृद्धि कर गरीब जनता को लूट रही है साय सरकार : सूर्यकांत जैन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। प्रदेश की भाजपा सरकार एक बार फिर बिजली के दामों में वृद्धि कर प्रदेश की गरीब जनता को लूटने जा रही है। प्रदेश कांग्रेस के आव्हान पर ब्लॉक स्तरीय आयोजित बिजली न्याय आंदोलन के तहत 18 जुलाई शुक्रवार को विद्युत कार्यालय का घेराव कर राज्य की भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया और जेई को लालटेन थमाकर विरोध जताया।

दक्षिण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सूर्यकांत जैन ने संचालन करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा डेढ़ वर्षों में 19.6 प्रतिशत विद्युत के दामों में वृद्धि कर बिजली उपभोक्ताओं को एक बार फिर लुटने का काम किया जा रहा है। घरेलू खपत पर 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि, गैर घरेलू बिजली की दर पर 25 पैसे प्रति यूनिट महंगी कर दी गई है। सर्वाधिक बढ़ोत्तरी कृषि पंप के बिजली के दाम में 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि करके की गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के आव्हान पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा की उपस्थिति में ब्लॉक अध्यक्ष आसिफ अली, दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष सूर्यकांत जैन के नेतृत्व में बिजली न्याय आंदोलन के तहत विद्युत कार्यालय का घेराव कर जेई को लालटेन भेंट की गई।

शहर दक्षिण ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष सूर्यकांत जैन ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार आने के बाद प्रदेशभर में बिजली की कटौती शुरू हो गई। भाजपा सरकार ने दुर्भावना और उपेक्षा के चलते पहले ही खाद, बीज, बिजली कटौती से परेशान किया और अब प्रदेश की लाखों गरीब जनता को बिजली के दामों में वृद्धि कर लूटने जा रही है। कृषि पंप में बिजली की दर बढ़ाकर किसानों की कमर तोड़ रही है। इतिहास गवाह है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकारों में जनता को लूटने के तरह-तरह के हथकंडे अपनाएं जाते रहे है। भाजपा सरकार पूरे समय बिजली नहीं दे पा रही है, अघोषित कटौती रोज-रोज जारी है, ऊपर से सरकार ने बिजली

के दामों में एक बार फिर बढ़ोत्तरी करके जनता की जेब में डाका डाला है। अनाप-शनाप बिजली बिल गरीब जनता को दिया जा रहा है। स्मार्ट मीटर के नाम पर अधिक बिल उपभोक्ताओं को भेजा जा रहा है, अब तो जनता को लूटने के लिए अडानी की कंपनी का प्रीपेड मीटर भी लगाने की तैयारी है, जो बर्दाश्त योग्य नहीं है। कांग्रेस पार्टी इसका विरोध करती है।

ब्लॉक अध्यक्ष आसिफ अली ने कहा कि सरप्लस बिजली वाले प्रदेश में बिजली कटौती व दामों में वृद्धि कर रही है भाजपा सरकार। सरकार के चहेतों का करोड़ों का बिजली बिल का भुगतान लंबित है, केन्द्र की मोदी सरकार के गलत नीतियों के चलते बिजली का उत्पादन लागत बढ़ा है, कोयले पर ग्रीन टैक्स चार गुना अधिक बढ़ा दिए, रेलवे का माल भाड़ा अधिक वसूल रहे हैं, थर्मल पॉवर प्लांट को अडानी की कंपनी से महंगे दर पर कोयला खरीदने बाध्य किया जा रहा है। डीजल पर सेंट्रल एक्साइज बढ़ाए जाने से परिवहन में और फायर के लिए उपयोग होने वाले डीजल की लागत बढ़ी है, जिसकी भरपाई भी उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ाकर किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी सरकार के ऐसे अन्यायपूर्ण फैसले का विरोध करती है, सरकार के इस जनविरोधी निर्णय का कांग्रेस पार्टी विरोध करती है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसजनों द्वारा जेई को लालटेन भेंटकर विरोध जताया। घेराव में प्रमुख रूप से संभागीय प्रवक्ता वरिष्ठ कांग्रेसी श्रीकिशन खंडेलवाल, रमेश डाकलिया, शारदा तिवारी, आफ्ताब आलम, प्रदेश प्रवक्ता रूपेश दुबे, कमलजीत सिंह पिंटू, पूर्व महापौर हेमा देशमुख, शहर कांग्रेस उपाध्यक्ष मोहम्मद यहया, महामंत्री झम्मन देवांगन, अमित चंद्रवंशी, मोहिनी सिन्हा, शरद खंडेलवाल, महिला कांग्रेस अध्यक्ष माया शर्मा, ननि नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले, पार्षद सतीश मसीह, युवराज भारती, छोटेलाल रामटेके, प्रतिमा बंजारे, सुरेन्द्र देवांगन, अब्बास खान, महामंत्री नीरज कन्नौजे, राजेश चौहान, इशाक खान, महेश साहू, निशा गुप्ता, प्रज्ञा गुप्ता, गोपी रजक, शैलेष ठावरे, चेतन सिन्हा, सागर ताम्रकार, डा. राकेश कुमार, राजेश चौहान, नारायण सोनी, दिनू साहू, भोला यादव, दीना सोनकर, मुस्तफा जोया, रिखीराम साहू, संदीप सोनी, राहुल गजभिए, दुर्गेश ढीमर, प्रियेश मेश्राम, शौर्य वैष्णव, प्रदीप यादव, मोहसिन, रजत कसार आसिफगोरी, हनीफ भाई, भारत भूषण शर्मा गुड्डू, रहीम मेमन, जय जायसवाल, संदीप जायसवाल, चंद्रशेखर वैष्णव, रूपणा मेश्राम, जितेन्द्र कौशिक, मोहन खरे, राजेन्द्र, परस लहरे, करीम भाई, प्रमोद सोनटके, चंचल देवांगन, आशीष रामटेके, विनोद गेंदें, चैनुदास, गोपी टंडन, अमन साहू, भरत शर्मा, सलमान खान, मो. इमरान, निहाल नकवी, अंशुल श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे। उपस्थित कांग्रेसजनों का उत्तर ब्लॉक अध्यक्ष आसिफ अली ने आभार व्यक्त किया।

खबर-खास

नि:शुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर का सफल आयोजन, 36 मरीजों की हुई जांच

बेमेतरा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन मे जिला चिकित्सालय (एम.सी.एच. बिल्डिंग) में नि:शुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर बाल्को मेडिकल सेंटर रायपुर एवं जिला स्वास्थ्य समिति बेमेतरा के संयुक्त तत्वावधान में प्रात: 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित हुआ। शिविर में कुल 36 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई, जिनमें 26 पुरुष एवं 10 महिलाएं शामिल थीं। इनमें से 3 मरीज पहले से उपचाररत (अंडर ट्रीटमेंट) थे। कैंप में संदिग्ध कैंसर लक्षणों वाले मरीजों की जांच की गई, जिसमें 11 पेप स्मीयर एवं 6 मैमोग्राफी सैंपल लिए गए और जांच हेतु भेजे गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहडेलकर स्वयं कैंप में उपस्थित रहे एवं संभावित कैंसर लक्षणों से पीड़ित मरीजों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया तथा कैंसर से न घबराने की सलाह देते हुए शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सिविल सर्जन डॉ. लोकेश साहू ने भी कैंप में पहुंचकर मरीजों से संवाद किया। बाल्को मेडिकल सेंटर रायपुर से प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. दिवाकर पाण्डेय, आर.एम.ओ. डॉ. हेमलता, कैंसर नेविगेटर इंद्र कुमार साहू एवं उनकी टीम ने विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कीं। शिविर का सफल संचालन अस्पताल प्रमुख सलाहकार डॉ. स्वाति यदु एवं उनके सहयोगी स्टाफ द्वारा किया गया। शिविर में उपस्थित समस्त मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। यह कैंप ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए मरीजों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ।

गुणवत्ता का महत्व: सीलिंग फैन दे रहे अच्छी गुणवत्ता के प्रोडक्ट्स अपनाने का सबक

नईदिल्ली। यह कहावत तो आपने सुनी ही होगी ''सस्ता रोए बार-बार, महंगा रोए एक बार' यह हमें सबक देती है कि हमें सस्ती चीज़ों के बजाए अच्छी गुणवत्ता के प्रोडक्ट में निवेश करना चाहिए। यही बात सीलिंग फैन (छत वाले पंखे) पर भी लागू होती है। भारत में उमस भरी गर्मी के बीच सीलिंग फैन का उपयोग कई गुना बढ़ जाता है। हाल ही में हुए अध्ययनों से साफहो गया है कि 1960 के दशक में पंखों को उच्च गुणवत्ता की सामग्री से बनाया जाता था, जो आधुनिक पंखों की तुलना में बहुत लम्बे चलते थे। अध्ययनों से यह भी साफहो चुका है कि कॉपर-वाइंडिंग वाले पंखे, एलुमिनियम वाइंडिंग की तुलना में दोगुना लम्बे चलते हैं, इसका कारण यह है कि कॉपर अधिक टिकाउ, जंग रोधी और रीसायक्लेबल होता है। वहीं एलुमिनियम वाइंडिंग का इस्तेमाल करने से पंखा जल्दी खराब होता है। कॉपर वाले पंखे आसानी से रिपेयर किए जा सकते हैं, और इनमें व्यर्थ का उत्पादन भी कम होता है। ऐसे में कुल मिलाकर कॉपर वाइंडिंग वाले पंखे से लागत की बचत होती है।

टाटा प्ले बिंज पर अब देखने को मिलेगा प्रसार भारती का वेव्स ओटीटी

नईदिल्ली। टाटा प्ले बिंज पर प्रसार भारती का ओटीटी प्लेटफॉर्म, वेव्स उपलब्ध हो गया है। यह ऐप टाटा प्ले बिंज को और ज्यादा विशाल ग्राहकों के बीच पहुँचाने में मदद करेगा। वेव्स पर सांस्कृतिक और परिवार के साथ बैठकर देखा जा सकने वाला मनोरंजन उपलब्ध है। यहाँ पर क्षेत्रीय, सांस्कृतिक, हिंदी और सदाबहार कार्यक्रम देखे जा सकते हैं। इस साझेदारी द्वारा दूरदर्शन के कार्यक्रम एक ही सदस्यता में टाटा प्ले बिंज पर देखे जा सकेंगे। टाटा प्ले बिंज के दर्शक वेव्स पर उपलब्ध सभी कार्यक्रम देख सकते हैं। यहाँ पूरे परिवार के लिए अलग-अलग इलाकों और संस्कृतियों से जुड़ा मनोरंजन मिलता है। 12 भारतीय भाषाओं में 20,000 से अधिक घंटों के मनोरंजन के साथ वेव्स पर ब्योमकेश बक्षी, फौजी और हम लोग जैसे धारावाहिक देखे जा सकते हैं। साथ ही सरपंच साहब, जाईये आप कहाँ जाएंगे, और डेला बेला जैसे लोकप्रिय आधुनिक कार्यक्रम भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा, अयोध्या से प्रभु श्री राम लला जी की आरती, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात, और कबड्डी विश्वकप, जर्मन फुटबॉल कप प्रतियोगिता - पोकल, हॉकी इंडिया लीग आदि का सीधा प्रसारण भी देख जा सकता है। ओटीटी के साथ प्रसारण द्वारा इस प्लेटफॉर्म पर 35 से अधिक लाईव टीवी चैनल उपलब्ध हो गए हैं, जिससे दर्शकों को टेलीविज़न की पारंपरिकता का अनुभव ओटीटी स्ट्रीमिंग के साथ लेने का मौका मिलेगा। टाटा प्ले की चीफकमर्शियल एवं कंटेंट ऑफिसर, पल्लवी पुरी ने कहा, ''टाटा प्ले बिंज ओटीटी कंटेंट को हर भारतीय तक आसानी से पहुँचाने के लिए शुरू किया गया था।

राज्यपाल रमेन डेका ने पंडरिया विधायक भावना बोहरा को वर्ष 24-25 के उत्कृष्ट विधायक सम्मान से किया सम्मानित

कवर्धा (समय दर्शन)। मार्च 2025 में छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र 2024-25 के अंतिम दिन विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह ने उत्कृष्ट विधायकों की घोषणा करते हुए पंडरिया विधायक भावना बोहरा को वर्ष 2024-25 के उत्कृष्ट विधायक के रूप में घोषणा की थी। भावना बोहरा ने संपन्न बजट सत्र में विभिन्न विषयों पर चर्चा के दौरान क्षेत्र एवं प्रदेश से जुड़ें प्रमुख मुद्दों और जनता की समस्याओं के समाधान व आवश्यकताओं को लेकर मुखर रही। वे लगातार विधानसभा में उपस्थित रहीं एवं सदन की गतिविधियों में सक्रियता से भाग लिया।

16 जुलाई 2025 को विधानसभा परिसर स्थित सेंट्रल हॉल के समक्ष आयोजित उत्कृष्टता अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका द्वारा पंडरिया विधायक को प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर पंडरिया विधायक भावना बोहरा को उत्कृष्ट विधायक सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह, अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, नेता प्रतिपक्ष चरणदस महंत, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप् उपस्थित रहे।

राज्यपाल डेका ने उत्कृष्ट विधायक के लिए चयनित श्रीमती भावना बोहरा को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि आपने जनहित, संसदीय गरिमा के लिए जो योगदान दिया है यह निश्चित ही प्रेरणादाई है। आप

पहली बार विधानसभा सदस्य के रूप में चुनकर आईं हैं और उत्कृष्ट विधायक का सम्मान मिलना बहुत ही गौरव की बात है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप व नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने बधाई देते हुए कहा कि भावना बोहरा को उत्कृष्ट विधायक का सम्मान मिलने पर बधाई देता हूँ जो पहली बार जीतकर आई और विधानसभा की कार्यवाही में सक्रियता से हिस्सा लिया। आप निरंतर इसी प्रकार जनता के हितों के प्रति अपने दायित्वों को पूरा करती रहें और विधानसभा में आपकी सक्रियता ऐसे ही बनी रहे मेरी शुभकामनाएं है। इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने राज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री एवं समस्त सदस्यों तथा विशेष रूप से पंडरिया विधानसभा की जनता के प्रति आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पंडरिया विधानसभा की उत्कृष्ट जनता के आशीर्वाद,सहयोग एवं मार्गदर्शन से मुझे यह सम्मान मिला है जिसे मैं पंडरिया विधानसभा के प्रत्येक नागरिक को समर्पित करती हूँ। एक जनप्रतिनिधि के रूप में यह सम्मान मिलना मेरे लिए जितना गर्व की बात है उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि विगत डेढ़ वर्ष में विधानसभा अध्यक्ष का संरक्षण व मार्गदर्शन के साथ ही मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठजनों द्वारा प्रोत्साहन व सहयोग मुझे मिला। विधानसभा की कार्यवाही से मुझे बहुत से अनुभव सिखने को मिले हैं और यह अनुभव मुझे अपने कर्तव्य पथ पर चलने एवं जनता की सेवा और क्षेत्र का विकास करने के लिए हर पथ में मार्ग प्रशस्त करेगा। विधानसभा सत्र के माध्यम से हमें अवसर मिलता है कि हम अपने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों को गति देने, जनता की समस्याओं को उनकी आवाज बनकर मुखरता से उनके निदान हेतु बात सरकार के सामने रख सकें ताकि उनका त्वरित निराकरण हो सके और जनता को सुविधाओं एवं योजनाओं का लाभ निरंतर बिना किसी अवरोध के मिलते रहे।

पांडातराई पुलिस ने अंधे कत्ल की गुत्थी 24 घंटे में सुलझाई

कवर्धा (समय दर्शन)। पांडातराई थाना क्षेत्र के गांव में घटित एक नाबालिग बालिका की नृशंस हत्या की गुत्थी को कबीरधाम पुलिस ने मात्र 24 घंटे में सुलझा लिया है। सुनसान घर में खून से सनी लाश मिलने की खबर से पूरे गांव और क्षेत्र में दहशत फैल गई थी। यह एक अंधा कत्ल था, जिसमें शुरूआती तौर पर कोई ठोस सुराग नहीं था, परंतु पुलिस की तेज़, सतर्क और संगठित जांच ने इस जघन्य कृत्य के दोषी को बेनकाब कर दिया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह स्वयं मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण कर जांच टीमों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। एफएसएल यूनिट, डॉग स्क्वाड और तकनीकी विश्लेषण इकाई को तत्काल सक्रिय किया गया, वहीं स्थानीय पुलिस बल को हर संभावित पहलू पर काम करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस की जांच में सामने आया कि हत्या गांव के ही राजीव घृतलहरे (पिता भगवाली, उम्र 35 वर्ष) द्वारा की गई। आरोपी का पीड़िता के पिता से लंबे समय से भूमि विवाद चला आ रहा था, लेकिन इसके अतिरिक्त वह नाबालिग बालिका पर पूर्व से ही गंदी नजर रखता था। जांच में यह बात भी उजागर हुई कि आरोपी अक्सर बहाने से आसपास मंडराता था और बालिका की गतिविधियों पर नजर रखता था।

घटना वाले दिन जब आरोपी को यकीन हो गया कि बालिका घर में अकेली है। परिवार के सदस्य घर पर नहीं हैं, तो वह भीतर घुसा। उसने बालिका के साथ जबरन दुष्कर्म का प्रयास किया, लेकिन विरोध और भागने पर उसने उसे खींचकर कोठार के पास ले गया और वहां रखे सब्बल से बालिका की हत्या कर दी।

घटना के बाद जिला पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चारों दिशाओं में नाकेबंदी कर दी और संभावित संदिग्धों की तलाश शुरू की। पूछताछ और साक्ष्यों के विश्लेषण के दौरान आरोपी की पहचान हुई और उसे हिरासत में लिया गया। गहन पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसके मेमोरेंडम कथन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर थाना पांडातराई में अपराध क्रमांक 106/2025, धारा 103(2), 332(1) बीएनएस और धारा 8 पोक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

इस पूरे प्रकरण में पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल एवं पंकज पटेल के मार्गदर्शन में एसडीओपी बोडला अखिलेश कौशिक एवं पंडरिया भूपत सिंह धनेश्री के पर्यवेक्षण में जिला पुलिस द्वारा दिखाई गई त्वरित कार्रवाई, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण सराहनीय है। महज़ 24 घंटे के भीतर आरोपी की गिरफ्तारी और पूरे मामले का पर्दाफाश यह दर्शाता है कि कबीरधाम पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों को बख्शने के मूड में नहीं है। आरोपी की गिरफ़्तारी में थाना प्रभारी निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मनीष मिश्रा, थाना कुंडा प्रभारी निरीक्षक महेश प्रधान, ैप् रघुवंश पाटिल, रूपेंद्र सिंह, संजीव तिवारी, प्रधान आरक्षक चुम्मन साहू अभिनव तिवारी आरक्षक गज्जू राजपूत, मनीष सिंह मार्तंड चंद्रवंशी, छोटेलाल यादव, महिला आरक्षक अंजलि बर्मा, की विशेष भूमिका रही

27 जुलाई को आयोजित होगी आबकारी आरक्षक परीक्षा, कलेक्टर ने दिए नकल विहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश

बेमेतरा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर (व्यापम) द्वारा आयोजित आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा (एडीए25) का आयोजन 27 जुलाई 2025, रविवार को प्रथम पाली में प्रात: 10:00 बजे से 12:15 बजे तक किया जाएगा। बेमेतरा जिले में इस परीक्षा के लिए कुल 20 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें लगभग 5000 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। इस महत्वपूर्ण परीक्षा के सुचारु, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर आज कलेक्टरेट के दिशा सभाकक्ष में कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसएसपी श्री रामकृष्ण साहू, एडीएम श्री अनिल वाजपेयी, संयुक्त कलेक्टर डॉ. दीप्ति वर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती पिंकी मनहर सहित पुलिस एवं प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की नकल या अनुचित गतिविधि की कोई भी घटना नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र में सख्त निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, और प्रवेश प्रक्रिया से लेकर परीक्षा समाप्ति तक सभी चरणों पर सतर्क निगरानी रखी जाए। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा के लिए जारी किए गए प्रमुख निर्देश मे परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व सभी परीक्षार्थियों की हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से जांच एवं मैनुअल पैट डाउन (हाथों से तलाशी) प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। महिला परीक्षार्थियों की फ्रिस्किंग केवल महिला पुलिसकर्मियों द्वारा ही की जाएगी। परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम 2.30 घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र में उपस्थित होना अनिवार्य है। परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पूर्व, अर्थात 9रू45 बजे के बाद, किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षार्थी केवल निर्धारित प्रवेश पत्र एवं एक मूल पहचान पत्र (मतदाता परिचय पत्र/ड्राइविंग लाइसेंस/पेन कार्ड/आधार कार्ड) के साथ ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश करेंगे। परीक्षा केंद्र में मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, पर्स, बैग, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी, इयरफोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट आदि ले जाना पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। प्रवेश पत्र का केवल एक तरफ प्रिंट किया गया स्पष्ट प्रिंटआउट ही मान्य होगा। परीक्षा समाप्ति से पहले किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि इंटरनेट से प्राप्त प्रवेश पत्र'' पर फोटो नहीं आता है, तो अभ्यर्थी अपने साथ दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो ले कर परीक्षा केन्द्र में जावें।

छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए सुनहरा अवसर - अग्निवीर वायुसेना भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन 11 जुलाई से प्रारंभ

बेमेतरा/- भारतीय वायुसेना द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के केवल अविवाहित महिला एवं पुरुष उम्मीदवारों के लिए अग्निवीर वायु सैनिक पद हेतु भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 11 जुलाई 2025 से 31 जुलाई 2025 तक वायुसेना की आधिकारिक वेबसाइट https://agnipathvayu.cdac.in के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। इस भर्ती के अंतर्गत ऑनलाइन लिखित परीक्षा 25 सितंबर 2025 को आयोजित की जाएगी। आवेदन करने के लिए उम्मीदवार की शैक्षणिक योग्यता मान्यता प्राप्त केंद्रीय या राज्य शिक्षा बोर्ड/संस्था से गणित, भौतिकी एवं अंग्रेजी विषयों सहित 50 त्न अंकों के साथ 12वीं पास या इंजीनियरिंग डिप्लोमा (तीन वर्षीय) 50 त्न अंकों एवं अंग्रेजी में 50 त्न अंक सहित उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

न्यायालय तहसीलदार बसना
जिला महासमुन्द (छ.ग.)

//ईश्तहार//

क्रमांक/1113/क/वा-1/तह./2025
बसना दिनांक 11/07/25

एतद् द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक / आवेदिका तेजसिंह सिदार पिता माखियार सिदार निवासी ग्राम अरेकेल तहसीला बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक अपने स्वयं तेजसिंह सिदार का दिनांक 10.07.1981 को स्थान अरेकेल में जन्म हुआ है। उक्त जन्म पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथि में स्वय तेजसिंह सि दार के जन्म की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को किसी भी प्रकार के आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 25/07/25 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनाक 11/07/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया ।

मुहर

नायब तहसीलदार
बसना

बेटियों के सशक्त भविष्य के लिए कैरियर काउंसलिंग सत्र का हुआ आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। ।जिले में महिला सशक्तिकरण केन्द्र,महिला एवं बाल विकास विभाग गरियाबंद के द्वारा भारत सरकार की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत कलेक्टर भगवान सिंह उईके के निर्देशन में एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी के मार्गदर्शन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाण्डुका,शासकीय हाई स्कूल तरीघाट,शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धवलपुर में कैरियर कॉउन्सलिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य बालिकाओं को कौशल,शिक्षा और आत्मनिर्भरता के प्रति मार्गदर्शन देकर उनके उज्जवल भविष्य की दिशा सुनिश्चित करना है ।सत्र मेंबालिकाओं को यह बताया गया कि जीवन में सही समय पर लिया गया निर्णय ही उन्हें सफ्लता की ओर ले जा सकता है इसलिए उन्हें अभी से लक्ष्य निर्धारण और उचित मार्गदर्शन प्राप्त कर अपने भविष्य को सुरक्षित एवं सशक्त बनाना चाहिए। प्रशिक्षक प्रतीकचंद्र गोहिल,सौरभ तिवारी एवं देवेन्द्रनाथ

योगी द्वारा बताया गया कि बच्चे किस विषय का चुनाव करें। साथ ही विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों,संस्थानों और प्रवेश प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी। सत्र में लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए किस तरह से योजना बनाएं,प्रशिक्षण तथा शिक्षा प्राप्त करने के माध्यम के बारे में एवं जो बच्चे स्कूल छोड़ चुके है उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए रोजगार के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दिया गया।

गरियाबंद पुलिस द्वारा अधिकारी/कर्मचारियों के उत्साहवर्धन के लिए कॉप ऑफद मंथ चुना गया

क्षेत्रों में सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को दी गई प्रशस्ति पत्र

गरियाबंद (समय दर्शन)। पुलिस विभाग द्वारा अधिकारी/कर्मचारियों के उत्साहवर्धन के लिए कॉप ऑफद मंथ के तहत माह जून 2025 में विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया ।इस पहल के तहत पुलिसकर्मियों द्वारा ड्यूटी के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मचारियों को कॉप ऑफद मंथ का चुना किया जाता है ।माह जून 2025 में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी/कर्मचारी प्रधान आरक्षक तुलसी निषाद थाना राजिम एवं आरक्षक आलम बेग (साइबर सेल) के द्वारा थाना राजिम क्षेत्र में हुए सोने की चोरी के मामले एवं 55 किलो

ग्राम गांजा के आरोपी को गिरफ्तार करवाने में विशेष भूमिका,आरक्षक क्रमांक डिगेश्वर साहू थाना छुरा के द्वारा मोटर साइकिल गिरोह से 9 मोटर साइकिल बरामद करवाने के साथ पांच आरोपियों की गिरफ्तारी करवाने में विशेष भूमिका,प्रधान आरक्षक प्रहलाद थानापति थाना मैनपुर के द्वारा नग नशीली टैबलेट के साथ आरोपी को गिरफ्तार करवाने में विशेष भूमिका, आरक्षक लेखन पटेल थाना देवभोग के द्वारा माह जून में लीटर अवैध शराब के साथ-साथ आरोपियों की गिरफ्तारी करवाने में विशेष भूमिका,आरक्षक लक्ष्मीकांत साहू थाना देवभोग के द्वारा प्रार्थी का मार्केट में गुमा हुआ 52000 रुपए को सीसीटीवी फुटेज की माध्यम से ढूंढ कर प्रार्थी को पैसा लौटाने में विशेष भूमिका रही इस माह 6 अधिकारी कर्मचारियों कॉप ऑफद मंथ रहे ।इस पहल के माध्यम से माह में सराहनी एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र दिया जाता है। जिससे अधिकारी/कर्मचारियों में उत्साह बनी रहती है ।यह पहल आगे भी जारी रहेगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
नवीन मुख्यालय भवन, नगर पालिक निगम, गांधी चौक के पास, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं- 0771-2535780, 90, फैक्स : 0771-2227395: ई-मेल :- dc_rmo@rediffmail.com

क्रमांक 111 / का.अ./फिल्टर प्लांट/ननि /25 — रायपुर, दिनांक 18/07/2025

--: निविदा आमंत्रण सूचना :--

नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा नगर निगम रायपुर एवं अन्य शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय विभागों में कार्य के अनुभवी एवं सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/ फर्म से निर्धारित प्रपत्र में निर्धारित समयावधि में सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। सभी सीलबंद निविदाएं स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक से कार्यपालन अभियंता फिल्टर प्लांट नगर पालिक निगम रायपुर को प्रेषित की जावेगी। निविदा खोलने के समय ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते है। विवरण निम्नानुसार है :

1. आवेदन प्राप्त करने अंतिम तिथि एवं समय :- 04.08.2025 सायं काल 05.00 बजे तक
2. परीक्षण उपरांत योग्य निविदाकारों को निविदा जारी करने की अंतिम तिथि :- 05.08.2025 सायं काल 05.00 बजे तक
3. निविदा जमा करने अंतिम तिथि एवं समय :- 11.08.2025 सायं काल 03.00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :- 12.08.2025 सायं काल 04.00 बजे तक

क्र.	विवरण	प्राक्कलन राशि	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि	प्रपत्र का प्रकार
1.	भाठागांव चौक रिंग रोड से काठाडीह मोड़ मार्ग तक रॉ वॉटर पाईप के एयर वॉल्व का शिफ्टिंग तथा नवीन चेंबर का निर्माण कार्य। (AS per PHE SOR, 01.06.2020, Amendmet 07/2023)	8,94,846.00	9000.00	750/-	03 माह	"A"

नियम शर्ते :-
1. निविदा से संबंधित अन्य शर्ते एवं जानकारी कार्यालयीन तिथि / समय में फिल्टर प्लाट नगर पालिक निगम, रायपुर रावणभाठा से प्राप्त की जा सकती है।
2. अमानती राशि (**FDR**) आयुक्त महोदय, नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय होगा।
3. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार आयुक्त, न.पा.नि. रायपुर को होगा।
4. निविदाकारों को लिफाफा अ में अमानती राशि का **FDR**, निविदा प्रपत्र के मूल्य का **DD** एवं **Pan Card/GST Certificate/PWD Registration/3 year tax return** इत्यादि दस्तावेज की सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करना होगा तथा लिफाफा ब में निविदा दर, डाउनलोड किये गये निविदा प्रपत्र में अंको एवं शब्दों में स्पष्ट अक्षरो में लिखा होना चाहिए। निविदा दर में कांट-छांट नही होना चाहिए। दोनो लिफाफा को एक अलग से बड़े लिफाफा में भरकर सीलबंद कर जमा करना होगा।
5. निविदाकारो को लिफाफा अ में आमानती राशि का **FDR**, निविदा प्रपत्र के मूल्य का **DD** एवं **Pan Card/GST Certificate/PWD Registration/3 year tax return** इत्यादि दस्तावेज की सत्यापित प्रतिलिपि सही पाये जाने के उपरांत ही लिफाफा ब खोला जावेगा।
6. इसके अलावा नगर पालिक निगम, रायपुर के वेबसाईट http://nagarnigamraipur.nic.in से भी डाउनलोड कर निविदा डाल सकते है। डाउनलोड करने में निविदा प्रपत्र की राशि निविदा के साथ डी.डी. के रूप में जमा करना होगा। निविदा प्रपत्र कार्यपालन अभियंता, फिल्टर प्लांट नगर पालिक निगम रायपुर रावणभाठा को प्रेषित करना होगा।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

कार्यपालन अभियंता
फिल्टर प्लांट
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

संक्षिप्त-खबर

जलवायु नियंत्रण हेतु बसना महाविद्यालय में वृक्षारोपण

बसना (समय दर्शन)। शासकीय महाविद्यालय बसना में प्राचार्य एसके साव के निर्देशन में तथा रासेयो कार्यक्रम अधिकारी एनके प्रधान के मार्गदर्शन में पौधरोपण किया गया। भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड नई दिल्ली तथा रा.से.यो. इकाई, शासकीय महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में एक पेड़ माँ के नाम थीम पर आम पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर भारतीय बीज सहकारी समिति बसना के कर्मचारी तथा रा.से.यो. के स्वयं सेवक उपस्थित थे। मनोज देवता ने एक पेड़ मां के नाम थीम पर प्रकाश डालते हुए कहा का,पेड़ों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। वे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, हवा को शुद्ध करते हैं, जलवायु को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, और विभिन्न प्रकार के फल, फूल, और लकड़ी प्रदान करते हैं। सभी स्वयं सेवकों ने एक पेड़ मां के नाम पौधा लगाने तथा उसकी देख भाल करने का शपथ लिया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी एन के प्रधान ने कहा कि,पेड़ प्रकृति का अनमोल उपहार है, पेड़ों के कारण ही इस हरी भरी पृथ्वी और हमारा जीवन खुशहाल है। सहायक प्राध्यापक अजय जलक्षत्री ने भी पेड़ के महत्व पर विचार रखे। एवं पौधरोपण के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्वयं सेवकों के साथ-साथ बीज सहकारी समिति के कर्मचारी शिवा बारिक तथा महाविद्यालय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

साइबर सुरक्षा को लेकर स्कूली बच्चों को दी गई जानकारी

भाटापारा (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी अतुल परिहार के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय महिला सशक्तिकरण केन्द्र (हब) के तहत पलारी परियोजना अंतर्गत दाऊ खुमान सिंह शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुमा में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत बालिकाओं के बेहतर भविष्य एवं सुरक्षा के लिए साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साइबर सुरक्षा कार्यक्रम में साइबर ब्रांच इंस्पेक्टर प्रणाली वैद्य, जिला मिशन समन्वयक प्रीति नवरत्न, चाइल्ड लाइन परियोजना समन्वयक नेहा तिवारी ने डिजिटल जानकारी और प्रणालियों को साइबर हमलों और अनधिकृत पहुंच से बचाने की प्रक्रिया का मार्गदर्शन, साइबर सुरक्षा के कुछ सामान्य प्रकार के बारे मे जानाकारी दी गई। छात्राओं तथा प्रशिक्षक के मध्य साइबर सुरक्षा को लेकर संवाद एवं प्रश्नोत्तोरी सत्र का भी आयोजन किया, छात्राओं के प्रश्नों का भी निराकरण किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य एस.के खटकर, आर.के साहू एवं अन्य शिक्षकगण सहित स्कूली छात्राएं उपस्थित रहे।

गोदरेज प्रॉपर्टीज़ ने रायपुर में किया प्रवेश

रायपुर। मुंबई स्थित डेवलपर ने प्लॉटेड डेवलपमेंट के लिए लगभग 50 एकड़ ज़मीन का अधिग्रहण किया, जिसका अनुमानित बिक्री योग्य क्षेत्र लगभग 9.5 लाख वर्ग फुट है। भारत के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक, गोदरेज प्रॉपर्टीज़ लिमिटेड (जीपीएल), (बीएसई स्क्रिप आईडी: GODREJPROP) ने आज लगभग 50 एकड़ ज़मीन के अधिग्रहण के साथ रायपुर में अपने प्रवेश की घोषणा की। इस ज़मीन पर मुख्य रूप से प्रीमियम प्लॉटेड आवासीय इकाइयाँ विकसित की जाएंगी और इसका अनुमानित बिक्री योग्य क्षेत्र लगभग 9.5 लाख वर्ग फुट होगा। पुराने धमतरी रोड के पास रणनीतिक रूप से स्थित, जो एक तेज़ी से बढ़ता रियल एस्टेट हब है, यह स्थान मध्य रायपुर, रायपुर रेलवे स्टेशन और स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डे से अच्छी कनेक्टिविटी प्रदान करता है। यह क्षेत्र मज़बूत सामाजिक बुनियादी ढांचे के साथ तेज़ी से विकास देख रहा है, जिसमें प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान, स्वास्थ्य सेवा और खुदरा सुविधाएं शामिल हैं। अटल पथ (रायपुर-नया रायपुर एक्सप्रेसवे) के साथ इसके एकीकरण और आगामी रायपुर-हैदराबाद और रायपुर-विशाखापत्तनम एक्सप्रेसवे के निकटता जैसे प्रमुख बुनियादी ढांचे के उन्नयन के साथ, आवासीय विकास के लिए इस स्थान का आकर्षण और बढ़ गया है। गौरव पांडे, एमडी और सीईओ, गोदरेज प्रॉपर्टीज़ ने कहा, हमें रायपुर जैसे गतिशील शहर में अपने प्रवेश की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह अधिग्रहण हमारी विस्तार यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि हम पूरे भारत में उभरते रियल एस्टेट बाज़ारों में अपनी उपस्थिति को मज़बूत करना चाहते हैं।

बंसुला स्कूल में शाला विकास समिति का गठन

- शाला विकास समिति के अध्यक्ष बने चंदन चौहान

बसना (समय दर्शन न्यूज)। प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला बंसुला को सुचारू रूप से संचालन करने हेतु नई प्रबंध कारणी समिति का गठन किया गया।

इस अवसर पर अतिथि के रूप में सरपंच नवीन साहू, पूर्व प्रधान पाठक एस जी पटेल, संकुल समन्यवक गोवर्धन डडसेना उपस्थित थे। सर्वप्रथम अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस दौरान तिलक लगाकर सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात सरपंच नवीन साव के मार्ग दर्शन मे समिति का गठन किया गया । जिसमें सर्व सम्मति से अध्यक्ष चंदन चौहान तथा उपाध्यक्ष भारत साव को मनोनीत किया गया। सदस्य के रूप मे में निर्मला साव, चमेली सागर, सुप्रिया बेरा, संतोषी मिर्धा, कपूर चंद, उछव साव, यदुमनी साव, कार्तिक राम, संतोष नेताम, भानुमती यादव को शामिल किया गया। इस अवसर पर पटेल सर एवं डड़सेना सर ने सभी निवार्चित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की। साथ में खुशबू साव एवं डीलेश साव का प्रयास में चयन होने पर सरपंच एवं अतिथियों द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन राजेश भोई तथा आभार प्रदर्शन पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक दिनेश डडसेना ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधान पाठक प्रवीर कुमार बेहेरा, अनिता साहू, सीता साहू, पुष्पांजलि बगरती, सुजाता प्रधान, मंदाकिनी प्रधान, राजेश साव का विशेष योगदान रहा है। इस कार्यक्रम में बहुत अधिक संख्या मे पालक और माताएं उपस्थित थे।

कलेक्टर ने फिल्ड पर उतरकर किया डिजिटल क्रॉप सर्वे

- व्यवहारिक प्रशिक्षण में त्रुटियों पर ध्यान देने के निर्देश

भाटापारा (समय दर्शन)। राज्य शासन के निर्देशानुसार खरीफ सीजन 2025 में किसानों के द्वारा अपने खेतों में लगाए गए फसल और भूमि के सटीक सर्वेक्षण के लिए जिले में राजस्व अधिकारियों को डिजिटल क्रॉप सर्वे का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को तहसील बलौदाबाजार अंतर्गत ग्राम पंचायत परसाभदेर में डिजिटल क्रॉप सर्वे का व्यवहारिक प्रशिक्षण जिलेभर के आरआई व पटवारियों को दिया गया। कलेक्टर दीपक सोनी डिजिटल क्रॉप सर्वे प्रशिक्षण का जायजा लेने परसाभदेर पहुंचे। उन्होने किसान रामनारायण साहु के खेत में जाकर खसरा नंबर 251 में लगी फसल का मोबाइल एप्प के माध्यम से डिजिटल क्रॉप सर्वे किया।

कलेक्टर श्री सोनी ने प्रशिक्षण में उपस्थित आरआई और पटवारियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण गंभीरतापूर्वक पूरा करने कहा ताकि सर्वे एवं गिरदावारी में कोई त्रुटि न हो। उन्होने कहा कि डिजिटल सर्वे बहुत ही सिस्टमेटिक है। सर्वे का कार्य खसरे पर जाकर ही करना है। किसी भी प्रकार की त्रुटि के लिए अनुमोदनकर्ता की जिम्मेदारी होगी। खेत की रैण्डमली जांच करें कि खेत के आसपास शेड,कुआँ आदि है या नहीं। धान के अलावा अन्य फसल लगी हो तो उसकी एंट्री करें। उन्होंने हर गांव में सर्वेयर का चयन करने के लिए तहसीदारों को निर्देशित किया।

बताया गया कि डिजिटल क्रॉप सर्वे के व्यवहारिक प्रशिक्षण के लिए सभी तहसीलों के आरआई व पटवारियों का 17 टीम बनाया गया था। सर्वे के लिए सभी टीम को जमीन का खसरा नंबर आवंटित किया गया था जिसके अनुसार डिजिटल क्रॉप सर्वे मोबाइल एप्प से किया गया। जिले में फसल गिरदावरी का कार्य 1 अगस्त से शुरु होगा।

गौरतलब है कि डिजिटल क्रॉप सर्वे एक ऐसी प्रणाली है जिसमें फसल और भूमि के सटीक सर्वेक्षण के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है।इस सर्वे में स्थानीय युवाओं को सर्वेयर के रूप में शामिल किया जाता है, जो फसल की तस्वीरें लेते हैं और उन्हें पोर्टल पर अपलोड करते हैं।

इस दौरान अपर कलेक्टर मिथलेश डोंडे, एसडीएम अमित गुप्ता सहित तहसीलदार, आरआई व पटवारी उपस्थित थे।

सर्चवारंट के माध्यम से ग्राम लोहरीनडोंगरी में 60 नग सागौन साल चिरान जप्त

साँकरा (समय दर्शन)। ग्राम लोहरीनडोंगरी सांकरा में 46 नग सागौन चिरान =0.219 घनमीटर एवं साल चिरान 14 ना=0.124 घ0मी0काष्ठ चिरान जप्त किया गया है । राष्ट्रीयकृत सागौन साल चिरान अपने घर बाड़ी में अवैध रूप से संग्रहित कर रखा गया था । मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर उपवनमंडलाधिकारी सरायपाली एवं प्रभारी पिथौरा द्वारा सर्चवारंट संबंधित के नाम से जारी किया गया । तलाशी वारंट के दौरान जप्त वनोपज के संबंध में दशरथ पटेल ने अपने निजी कृषिभूमि की लकड़ी को अपने घर मे हाथ आरा से चिरान कर निजी उपयोग हेतु रखना बताया है । उक्त जप्त बनोपज पर वन अपराध प्रकरण क्रमांक 20685/10दिनांक 16.7.2025 जारी कर छ0ग0काष्ठ चिरान (विनियमन)1984 नियम 04 के तहत कार्यवाही कर प्रकरण विवेचना मे लिया गया है । जप्त बनोपज का बाजार मुल्य 50 हजार से अधिक का है । उक्त कार्यवाही उपवनमंडलाधिकारी भास्करन सर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन मे वन परिक्षेत्रअधिकारी सालिक राम डडसेना के नेतृत्व मे सहायक परिक्षेत्र अधिकारी सांकरा राजकुमार साहू, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी बम्हनी विरेन्द्र पाठक , सहायक परिक्षेत्र अधिकारी पिथौरा ललित पटेल , मोतीलाल साहू वनपाल, परिसर रक्षी सांकरा दीपक जेन्ड्रे, दिनेश शर्मा वनपाल, सुदामा पालेश्वर परिसर रक्षी सल्डीह , कोकीलकांत दिनकर एवं सुरक्षा श्रमिको के साथ ही उपस्थित पंचो की उपस्थिति मे कार्यवाही किया गया है ।

देव संस्कृति विद्यालय में आत्मरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन

महासमुंद व्यूरो (समय दर्शन)। देव संस्कृति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विगत दिनों किशोरी बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किशोर बालिकाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाना है, ताकि वे संभावित खतरों से खुद को बचा सकें और अपने जीवन में सफलता प्राप्त कर सकें।

कार्यक्रम में मुख्यअतिथि डॉक्टर एकता लगेह, समाजसेविका और देव संस्कृति शिक्षण समिति अध्यक्ष शशि प्रभा थीटे जी उपस्थित थीं। इस अवसर पर डॉक्टर एकता जी ने कहा कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण का प्रथम उद्देश्य बच्चियों को शारीरिक हमले से खुद को बचाने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि आत्मरक्षा न केवल शारीरिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह मानसिक मजबूती और आत्मविश्वास को भी बढ़ावा देती है।

शशि प्रभा जी ने बताया कि यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है और हम सबको एकजुट होकर बच्चियों की आत्मरक्षा और अन्य कौशल पर कार्य करने के लिए जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से हम बच्चियों को सशक्त बना सकते हैं और उन्हें अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। आत्मरक्षा प्रशिक्षक नीलकंठ साहू ने बताया कि मार्शल आर्ट अनुशासन और एकाग्रता की ओर ले जाता है और यह गुण बच्चों में व्यवस्थित अभ्यास और दोहराव के माध्यम से विकसित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण न केवल शारीरिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह मानसिक मजबूती और आत्मविश्वास को भी बढ़ावा देती है। तारिणी चंद्राकर ने बताया कि कराटे अकादमी और समाजिक संस्था के सहयोग से सभी बड़े स्कूलों में आत्मरक्षा हेतु निशुल्क मार्शल आर्ट, योग और मेडिटेशन की क्लास दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से हम बच्चियों को सशक्त बना सकते हैं और उन्हें अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिव्या रंगारी को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया

कार्यक्रम का संचालन मार्शल आर्ट प्रशिक्षक नीलकंठ साहू द्वारा और आभार प्राचार्य कुबेर गिरी गोस्वामी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से नरेंद्र नायक, रामकुमार साहू, तुषार चंद्राकर, जय तंबोली, दूषण साहू ,पत्रकार उत्तरा विदानी और देव संस्कृति विद्यालय के स्टाफ और विद्यार्थियों का विशेष सहयोग रहा।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लाभ

- शारीरिक और मानसिक मजबूती
- आत्मविश्वास और जागरूकता
- अनुशासन और एकाग्रता
- शारीरिक फिटनेस और सुरक्षा कौशल
- आत्मरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चियों को सशक्त बनाने और उन्हें अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना।

ललितपुर विद्यालय में बाल केबिनेट का गठन किया गया

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला ललितपुर, संकुल केंद्र जमदरहा में कक्षा व विद्यालय के सफल संचालन और बच्चों में कर्तव्य बोध का ज्ञान कराने के उद्देश्य से जमदरहा संकुल समन्वयक डीजेंद्र कुर्रे के मार्गदर्शन , प्रधान पाठक गफ्फार खान के नेतृत्व और प्रहलाद साहु के सहयोग से बाल केबिनेट का गठन किया गया। प्रधान मंत्री सुमन चौहान,,उपप्रधानमंत्री गुंजन साहू,खेलमंत्री हरीश चौहान,स्वास्थ मंत्री रितु बरिहा, अनुशासन मंत्री पायल यादव,पर्यावरण मंत्री ट्विंकल चौहान,शिक्षा मंत्री हेमकुमारी का नाम सर्वसम्मति चुना गया।इसके अतिरिक्त प्रत्येक कक्षा से मुख्यमंत्री चुना गया जो इस प्रकार है ।कक्षा 1 से थमलेश, कक्षा 2 से मनीष, कक्षा 3 से गरिमा, कक्षा 4 से ट्विंकल,कक्षा 5 से पायल चुने गए।चुने गए सभी सदस्यों को प्रधान पाठक गफ्फार खान ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। बाल केबिनेट के इस गठन पर बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी विनोद शुक्ला, सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी बद्री विशाल जोल्हे , लोकेश्वर सिंह कंवर, नोडल प्राचार्य उत्तर कुमार चौधरी,जमदरहा संकुल समन्वयक डीजेंद्र कुर्रे, बड़ेटेमरी संकुल समन्वयक वारिश कुमार, एफएलएन नोडल सर शरण दास और शाला प्रबंधन समिति सदस्यों ने बधाई प्रेषित किए है।

धान बोने की बात पर भाइयों ने की बड़े भाई की हत्या

- खेत में चले लाठी-डंडे, भाभी व पुत्र भी घायल

पिथौरा (समय दर्शन)। पिथौरा इलाके के सीमावर्ती ग्राम कुशभांठा में बुधवार को भाइयों में खेत के बंटवारे को लेकर खूनी संघर्ष का मामला प्रकाश में आया है ।

मिली जानकारी के अनुसार भाईयों ने मिलकर इस वर्ष खेत में धान बोने से बड़े भाई को मना करने के बावजूद बड़े भाई द्वारा धान बोया गया। जिससे आक्रोशित सभी भाई मिलकर लाठी डंडा लेकर खेत पहुँचे। और वहां भाइयों ने अपने भाई, भाभी व उसके पुत्र पर लाठी व डंडे बरसा कर प्राण घातक हमला कर दिया। जिससे सोहन लाल मरकाम 52 वर्ष की अस्पताल ले जाते समय रास्ते मे ही दम तोड़ दिया । जबकि उसकी पत्नी सुकमोती मरकाम एवं उसका पुत्र व्यंकटेश को गंभीर चोट आने से घायल हो गये हैं ।

सलिहा पुलिस द्वारा हत्या के आरोप में कुशभाठा पहुंचकर सभी 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सलिहा थाना प्रभारी अमृत भार्गव एवं ग्रामीणों से प्राप्त जानकारी के अनुसार भाई भाई में खेत जमीन का बँटवारे को लेकर विवाद चल रहा था।

सोहन पिता परशु मरकाम को उनके ही चाचा, बड़े पिता भाइयों ने बंधिया तालाब के पास के खेत को इस साल बोने के लिए मना किया

गया था। लेकिन सोहन मरकाम द्वारा उनके भाई चाचा की बात को नजर अंदाज कर बंधिया तालाब के ऊपर के खेत को ट्रैक्टर से धान बोवाई की गई। खेत में धान बोने के बाद सोहन मरकाम, उसकी पत्नी एवं पुत्र खेत मे पानी की निकासी के लिए रास्ता बना रहे थे। इसी दरमियान उसके बड़े पिता, चाचा एवं सोहन का चचेरे भाई लोग डंडा पकड़कर आए और आक्रोशित होकर सोहन एवं उसकी पत्नी, पुत्र को गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे।

यह विवाद हिंसक रूप ले लिया एवं सातों आरोपियों ने सोहन मरकाम उसकी पत्नी सुकमोती मरकाम एवं उसके पुत्र वेंकटेश मरकाम पर लाठी डंडे से हमला कर दिया।

इस घटना मे सोहन गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों घायलों को एंबुलेंस से उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिथौरा ले जाया जा रहा था। जहां रास्ते में सोहन मरकाम ने दम तोड़ दिया। परीक्षण उपरांत डॉक्टर ने सोहन मरकाम को मृत घोषित कर दिया एवं उसकी पत्नी एवं उसके पुत्र का इलाज जारी है। परिजनों की रिपोर्ट पर सलिहा पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज किया है। घटना स्थल ग्राम कुशभाठा से सोहन मरकाम के हत्या के आरोप में सातों आरोपियों के खिलाफ धारा 296,351 बीएनएस के तहत अपराध कायम किया गया है। 7 आरोपियों में राजेंद्र पिता गोपाल मरकाम 27 साल, मुकेश पिता लकेश्वर मरकाम 34 साल, रमेश पिता बलराम मरकाम 48 साल, नरेश पिता बलराम मरकाम 50 साल, नीरेंद्र पिता बलराम मरकाम 36 साल, ओमप्रकाश पिता फुलेश्वर मरकाम 35 साल, लकेश्वर पिता रतन सिंह मरकाम 70 साल को सोहन की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर कोर्ट मे पेश किया गया है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27